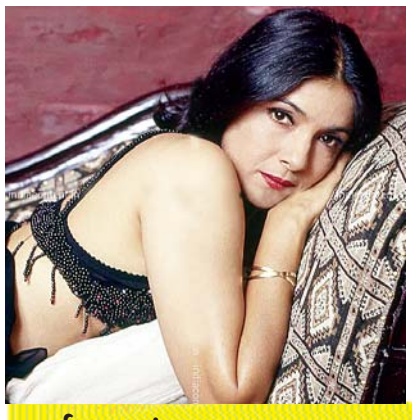

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 92 | ग्वालियर, शुक्रवार 21 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

ताउते की तबाहीः

लापता लोगों में 26 के शव मिले, 49 की तलाश जारी

नई दिल्ली। ताउते तूफान के कारण अरब सागर में फंसे बार्ज 305 से एक बुरी खबर आ रही है. इंडियन नेवी द्वारा 2 दिन से चलाए जा रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान अब तक कुल 26 शवों को बरामद किया गया. इन शवों को मुंबई लाया गया है. पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडर ऑपरेशन एमके झा ने मौतों की संख्या की पुष्टि की और कहा कि पहचान की जा रही है. हालांकि राहत बात ये है कि 188 लोगों को जहाज से रेस्क्यू कर लिया गया है. बार्ज क्क305 के 49 कर्मी अभी भी लापता हैं. नेवी ने कहा है कि अब तक उस पर सवार 273 लोगों में से 186 लोगों को बचा लिया गया है. दो अन्य बार्ज और एक ऑयल रिग पर काम कर रहे लोग सुरक्षित हैं. एक नौसेना अधिकारी ने मीडिया को बताया कि खोजी और बचाव अभियान अभी भी जारी है और उन्हें किनारे तक लाने को लेकर हमने हिम्मत नहीं हारी है. उन्होंने कहा कि बुधवार सुबह तक बार्ज 05 के 184 कर्मचारियों को बचा लिया गया था और उन्हें लेकर आईएनएस कोच्चि और आईएनएस कोलकाता मुंबई बंदरगाह के लिए रवाना हो गए हैं. जानकारी के अनुसार तूफान में जब बार्ज क्क305 डूब रहा था तो उसके कर्मी लाइफ जैकेट पहनकर समंदर में कूद गए थे. बार्ज का क्रू तकरीबन 5-6 घंटे लगातार तैरता रहा। फिर थककर वे बेहोश होने लगे. इसी बीच भारतीय नौसेना ने मौके पर पहुंचकर कई लोगों की जान बचा ली. हालांकि जो लोग नहीं मिल सके थे, उनमें से 26 के शव अरब सागर में मिले और 49 लोग अभी भी लापता हैं. जिनकी तलाश की जा रही है. इंडियन नेवी के जवानों ने जब बार्ज के लोगों को बचाया तो वे फूट-फूट कर रोने लगे. उन्होंने जवानों को धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी वजह से हम लोग जिंदा हैं, नहीं तो कोई नहीं बचता. बता दें कि चक्रवात ताउते के चलते बार्ज 305 जहाज मुंबई से कुछ दूर अरब सागर में फंस गया था. ऑयल रिंग के पास मौजूद इस बार्ज से लोगों को निकालने का काम किया जा रहा था. इस मिशन में नेवी, कोस्ट गार्ड और कई एजेंसियां जुटी हुई थीं. भारतीय नेवी के ऑपरेशन की जानकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ली है.

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

इन कर्मचारियों को लगे सबसे पहले टीका

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी से अनुरोध किया कि रेलवे, हवाई अड्डों, बंदरगाहों, रक्षा, बैंकों, बीमा, पोस्ट और टेलीग्राफ, कोयला और इसी तरह के अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए टीकों की व्यवस्था करे और बिना किसी देरी के वैक्सीन लगाया जाए.

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को पत्र लिखा. ममता बनर्जी ने पीएम मोदी से अनुरोध किया कि रेलवे, हवाई अड्डों, बंदरगाहों, रक्षा, बैंकों, बीमा, पोस्ट और टेलीग्राफ, कोयला और इसी तरह के अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए टीकों की व्यवस्था करे और बिना किसी देरी के वैक्सीन लगाया जाए. बता दें कि कोरोना संकट के मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को 10 राज्यों के मुख्यमंत्री और 54 जिलाधिकारियों के साथ बैठक की. इसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी शामिल हुईं. बैठक के बाद ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पीएम मोदी पर निशाना साधा. ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि सिर्फ बीजेपी के कुछ मुख्यमंत्रियों ने अपनी बात रखी. बाकी राज्यों के मुख्यमंत्री चुपचाप बैठे रहे. यहां तक कि मैं भी नहीं बोल पाई. दरअसल, बैठक के बाद मीडिया के सामने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि बैठक में सभी मुख्यमंत्रियों को कठपुतली बनाकर बिठाया गया मगर किसी को कुछ भी बोलने का अवसर नहीं दिया गया. कुछ भाजपा शासित मुख्यमंत्रियों को बोलने दिया गया. हमें बोलने का एक चांस भी नहीं दिया गया. इससे चर्चा के दौरान हम अपमानित महसूस कर रहे थे. ममता बनर्जी ने इस बात के लिए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया, जिसमें उन्होंने कहा कि कोरनो के मामलों में गिरावट आई है. ममता ने कहा कि पीएम ने दावा किया कि कोरोना वायरस कम हो रहा है. यह दावा पहले भी किया गया था, जिससे मामलों में और इजाफा हुआ. पीएम मोदी इतने असुरक्षित हैं कि उन्होंने हमारी बात भी नहीं सुनी. ममता बनर्जी ने केंद्र पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में वैक्सीन की भारी कमी है. हम तीन करोड़ टीके की मांग रखने वाले थे, लेकिन कुछ बोलने नहीं दिया गया. इस महीने 24 लाख वैक्सीन देने का वादा किया गया था, लेकिन सिर्फ 13 लाख वैक्सीन दी गई. वैक्सीन की कमी के कारण कई टीकाकरण केंद्रों को बंद करना पड़ा है . ममता ने बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य में मांग के मुताबिक वैक्सीन नहीं भेजी इसलिए टीकाकरण की रफ्तार सुस्त पड़ी है. इसके बावजूद राज्य सरकार ने 60 हजार करोड़ रुपये की वैक्सीन निजी स्तर पर खरीदी है.

खांसी और छींक से 10 मीटर फैल सकता है कोरोना वायरस, नई एडवाइजरी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण की हाहाकारी दूसरी लहर और तीसरे की आशंका के बीच हर रोज नए नियम-कायदे जारी हो रहे हैं. अब केंद्र सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के. विजय राघवन के कार्यालय की ओर से कोरोना संक्रमण के मद्देनजर सलाह जारी की गई है. इसके तहत कोरोना संक्रमण से बचने के लिए मास्क लगाने के साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग भी जरूरी बताई गई है. जारी गाइडलाइंस के मुताबिक किसी व्यक्ति की छींक और खांसी 10 मीटर की दूरी तक पहुंच सकती है. ऐसे में किसी भी संक्रमित व्यक्ति की खांसी और छींक वायरस के फैलने का सबसे प्रमुख कारण है. कहा गया है कि दफ्तरों और घरों में बेहतर वेंटिलेशन के जरिए संक्रमण का खतरा कम किया जा सकता है.

दफ्तर और घरों हवा को लेकर सलाह- दफ्तर और घरों में वेंटिलेशन के संदर्भ में सलाह दी गई है कि सेंट्रल एयर मैनेजमेंट सिस्टम वाली बिल्डिंगों में सेंट्रल एयर फिल्टर में सुधार करने से काफी मदद मिल सकती है. एडवाइजरी में ऑफिस, ऑडिटोरियम, शॉपिंग मॉल आदि में गैबल फैन सिस्टम और रूफ वेंटिलेटर के उपयोग की सिफारिश की गई है.

म्यांमार में फिर हालात हुए खराब

भारत में घुसे 6,000 शरणार्थी

नई दिल्ली। महामारी कोरोनावायरस संक्रमण खतरे के बीच भारत में घुसपैठियों की घुसपैठ भी बढ़ गई है. भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में सैन्य शासन लगातार निरंकुश होता जा रहा है. सैन्य शासन से बचने के लिए कई लोग सीमा पार कर भारतीय राज्य मिजोरम में भी दाखिल हुए हैं. मिजोरम की सरकार ने इन लोगों को अस्थाई तौर पर शरण भी दी है और इनके खाने-पीने का इंतजाम भी किया है. हालांकि भारत सरकार के आधिकारिक बयान में सरकार ने इनको शरणार्थी नहीं माना है. पिछले माह ही म्यांमार की सैन्य सरकार द्वारा मिजोरम राज्?य को लिखे गए एक पत्र में म्यांमार के नागरिकों को भारत से वापस किए जाने की मांग की गई थी. इस पत्र में भारत और म्यांमार के बेहतर रिश्?तों का हवाला भी दिया गया था. संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के एक प्रवक्ता ने कहा कि म्यांमार के तकरीबन 4,000 से 6,000 शरणार्थियों ने भारत में सुरक्षा मांगी है. संयुक्त राष्ट्र ने फरवरी में म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद से विस्थापितों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता भी जताई.

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) ने कहा कि पिछले हफ्ते तक म्यांमार में तकरीबन 60,700 महिलाएं, बच्चे और पुरुष देश में ही विस्थापित हुए. महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मार्च और अप्रैल में 1,700 से अधिक शरणार्थी थाइलैंड में गए, जिनमें से ज्यादातर बाद में म्यांमार लौट आए और तकरीबन 4,000 से 6,000 शरणार्थियों ने भारत में सुरक्षा मांगी. दुजारिक ने कहा कि म्यांमार में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी एक फरवरी को सैन्य तख्तापलट के बाद से बढ़ते विस्थापन को लेकर बहुत चिंतित हैं. उन्होंने कहा, ''तब से देश में नागरिकों के खिलाफ व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई है. सीमावर्ती इलाकों में म्यांमार सशस्त्र बलों और जातीय सशस्त्र संगठनों के बीच झड़पें तेज हुई है.'' इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पड़ोसी देश म्यांमारर की सीमा से सटे चार पूर्वोत्तर राज्यों मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश को घुसपैठ की घटनाओं को लेकर सतर्क किया और कहा कि ऐसी सूरत में वे कानून के मुताबिक कार्रवाई करें. म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद से बड़े पैमाने पर लोगों का विरोध-प्रदर्शन जारी है.

टीकाकरण में नहीं आई तेजी तो 6-8 महीने में कोरोना की तीसरी लहर

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण से जंग लड़ रहे भारत में महामारी की तीसरी लहर को लेकर वैज्ञानिकों ने एक अहम चेतावनी जारी की है. बताया गया कि अगर देश में कोरोना वैक्सीनेशन की प्रक्रिया को तेज नहीं किया गया तो 6 से 8 महीनों के भीतर ही कोरोना की तीसरी लहर का सामना करना पड़ सकता है. वैज्ञानिकों ने लोगों से कोरोना रोकथाम को लेकर बताए गए नियमों का पालन किए जाने पर भी जोर दिया है. पहली वेव के दौरान कोरोना ने मुख्य रूप से बुजुर्गों को प्रभावित किया. दूसरी लहर में युवाओं को अपना शिकार बनाया. ऐसे में तीसरी लहर में बच्चों के प्रभावित होने की आशंका है.

बीते 24 घंटे में 2.76 लाख नए कोरोना मामले, 3,874 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के ढाई से लाख से ज्यादा नए मामले सामने आने का सिलसिला जारी है. हालांकि मौतों की संख्या में गुरुवार को कमी दर्ज की गई है. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सुबह 8 बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में बीते 24 घंटे में 2,76,110 नए मामले पाए गए. इस अवधि में 3, 874 लोगों की मौत हुई. इसके साथ ही 3,69,077 लोग डिस्चार्ज और ठीक हुए. मंत्रालय के अनुसार नए मामले पाए जाने के बाद देश के कुल सक्रिय मामलों में 96,841 मामलों की कमी दर्ज की गई है. मंत्रालय के मुताबिक देश में फिलहाल 31,29,878 एक्टिव केस, 2,23,55, 440 लोग डिस्चार्ज और ठीक हो गए और 2,87,122 लोगों की मौत हो चुकी है. मंत्रालय के अनुसार देश में अब कर 18, 70,09, 792 लोगों का टीकाकरण हो चुका है जिसमें से 11, 66, 090 लोगों का वैक्सीनेशन बुधवार को हुआ. उधर, आईसीएमआर ने जानकारी दी है कि देश में अब तक 32, 23, 56,187 लोगों की जांच हो चुकी है जिसमें से 20,55,010 लोगों की जांच बुधवार को हुई.

उत्तर भारत में कोरोना के सबसे अधिक 6,818 मामले हरियाणा में- पंजाब , हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में बुधवार को कोविड-19 के क्रमशः 6,407 , 6,818 , 3,396 और 3,969 नये मामले सामने आए जबकि क्रमशः 208, 153, 69 और 62 मरीजों की मौत हो गयी.

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है
सम्पर्क करें
जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश
फोनः 0751-4901403
मो. 7879637585, 8770253710
Website-www.pushpanjalitoday.com
Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

केरल के दोबारा मुख्यमंत्री बने पिनराई विजयन, नई कैबिनेट में इन्हें मिली जगह

नई दिल्ली। केरल में 45 साल का रिकॉर्ड तोड़कर फिर से सत्ता में आने वाली पिनराई विजयन की नेतृत्व वाली सरकार ने एक अनूठा प्रयोग किया है. नई कैबिनेट में सीएम को छोड़कर कोई भी चेहरा पुराना नहीं है. केरल में एलडीएफ सरकार का शपथ ग्रहण हुआ. पिनराई विजयन ने गुरुवार को लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें शपथ दिलाई है. पीए मोहम्मद रियास समेत 20 मंत्रियों ने पिनराई विजयन के साथ शपथ ली है. केरल के सीएम पिनराई विजयन के दामाद को भी मंत्री बनाया गया है. सीएम पिनराई विजयन के दामाद पीए मोहम्मद रियास को नई कैबिनेट में जगह मिली है. वे यूथ विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं. मोहम्मद रियाज कोझिकोड के बेपोर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीत कर आए हैं. भाकपा के, पी प्रसाद को कृषि मंत्री बनाया गया है. चेरथला निर्वाचन क्षेत्र से वो चुनाव जीते हैं. पर्यावरण से जुड़े कई आंदोलनों में प्रसाद भी शामिल रहे हैं. के कृष्णनकुट्टी उर्जा मंत्री बनाए गए हैं. कृष्णनकुट्टी जनता दल (एस) के सदस्य हैं. वो पलक्कड़ के चित्तूर से चुनाव जीतकर आए हैं. वो एलडीएफ की सरकार में ढाई साल तक जल संसाधन मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं. राकांपा के एके शशिन्द्रन वन मंत्री बनाए गए हैं. पिनराई विजयन के पहले कार्यकाल में शशिन्द्रन परिवहन मंत्री रह चुके हैं. केरल कांग्रेस के एंटनी राजू परिवहन मंत्री बने. वे तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से चुनाव जीतकर आए हैं. मौजूदा विधायक वी एस शिवकुमार को उन्होंने हराया था. भाकपा नेता के राजन को राजस्व मंत्रालय का प्रभार दिया गया है. 2021 में वे ओल्लुर निर्वाचन क्षेत्र से दूसरी बार चुनाव जीत कर आए हैं. पिछली एलडीएफ शासन में राजन सरकार के मुख्य सचेतक के रूप में कार्य कर चुके हैं. भाकपा की नेत्री चिंचू रानी पशुपालन और डेयरी विकास मंत्री बनाई गई हैं. चादयामंगलम से वो पहली बार चुनाव जीत कर आई हैं. भाकपा के जी आर अनिल को नागरिक आपूर्ति मंत्री का प्रभार दिया गया है. केरल कांग्रेस (एम) की रोशी ऑगस्टीन जल संसाधन मंत्री बनाई जाएंगी. केएन बालगोपाल वित्त मंत्री बनाए गए हैं.

एक नजर...

एसडीओपी ने भगबासा में ली क्राइसेस ग्रुप की बैठक लोगों को किया जागरूक

गोहद। ग्राम भगवासा में कोविड क्राइसिस ग्रुप की बैठक ग्राम के गण मान्य नागिरिकों के बीच संम्पन्न हुई ,जिसमे एस डी ओ पी सोलंकी ने लोगों को कोरोनावायरस से बचाव करने मास्क लगाकर शोसल डिस्टेसिग का पालन करने हेतु जागरूक किया और किल कोरोना अभियान में सही जानकारी देकर प्रशासन की मदद करते हुए अपने आप को एवं परिवार को सुरक्षित रख कर कोरोना को हराने में मदद करते हुवे सुरक्षित रहने की अपील की इस अवसर पर टी आई नरेंद्र कुशवाह थाना गोहद, सचिव सूरज शर्मा, मनरेगा सचिव गिर्राजशर्मा, सरपंच रामादेवी तथा समाजसेवी, अजय ऋषीश्वर,पंडित दिनेस शर्मा, मुन्नेस शर्मा, केदार नेता,मधुकर अनिल जी राजेश गौतम ,परमे पटेल, कमलेश भगतअदि एकत्रित हुए।

उपार्जन केंद्रों पर किसानों का गेहूं नहीं खरीदा जा रहा- मेवाराम जाटव

पीसीसी बैठक में प्रदेश अध्यक्ष के समस्त उठाया गोहद के उपार्जन केंद्रों का मुद्दा

गोहद। विधायक मेवाराम जाटव ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक में गोहद के कई मुद्दे उठाए जिसमें मुख्य मुद्दा गोहद क्षेत्र उपार्जन केंद्रों से किसानों का गेहूं नहीं खरीदा जा रहा है। किसानों की अनाज से भरी हुई ट्रोलियां सात सात दिनों से उपार्जन केंद्रों पर खड़ी हुई हैं। एक तरफ तो प्रदेश सरकार किसान का दाना दाना खरीदने की बात कर रही है दूसरी तरफ किसानों का गेहूं नहीं खरीदा जा रहा है। इसी प्रकार नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना के आरटीपीसीआर टेस्ट नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने मजदूरों का भी मुद्दा उठाया जिसके अंतर्गत उन्होंने कहा कि लोकडाउन में हाथ ठेले वाले परेशान हैं ठेले वालों की भूखों मरने तक की नौबत आ चुकी है हाथ ठेला बालों के लिए सरकार के द्वारा कोई राहत पैकेज जारी नहीं किया गया है। अपने परिवार की परेशानी देखकर हाथ ठेला वाले गली कूचे में ठेला लगा लेते हैं तो पुलिस के द्वारा उन्हें बेवजह परेशान किया जाता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कुरौना महामारी की दूसरी ले से लोगों के काम धंधे सब चौपट हो चुके हैं इसलिए उनके तीन मार के बिजली बिल भी माफ किए जाएं। उन्होंने कहा कि कोरोनावायरस से जिन लोगों मृत्यु हुई है प्रशासन के द्वारा उनके प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जा रहे है। गोहद विधायक मेवाराम जाटव आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ जी से मुखातिब हुए थे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की बैठक में सभी स्थानों के कांग्रेस विधायकों एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

दबोह थाना क्षेत्र के अंर्तगत बीसनपुरा गांव में अज्ञात चोरों ने मकान को बनाया निशाना

नगदी सहित 5 लाख के ज़ेवरात हुए चोरी

दबोह(अर्पित गुप्ता)। दबोह थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम बीसनपुरा में बीती रात अज्ञात चोरों ने करन सिंह बघेल के घर को निशाना बना लिया।फरियादी करन सिंह बघेल निवासी ग्राम बीसनपुरा ने जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात अज्ञात चोरों द्वारा दो बक्सों में रखे जेवरात एवं 15 हजार रुपये नगद सहित लगभग 5 लाख के जेवरात चोरी किये है। जिसमे दो जोड़ी चांदी की कमर पेटी,एक सोने का हार,कानो के ब्रजभाला,दो जोड़ी सोने के फूल,सोने की अंगूठी, दो जोड़ी चांदी के पायल सहित 500 ग्राम पुरानी चांदी,चोरी होना बताई है। करन सिंह बघेल ग्राम बीसनपुरा की रिपोर्ट पर दबोह थाना प्रभारी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ़ प्रकरण दर्ज विवेचना शुरू कर दी है।

पूर्व विधायक के जन्मदिन पर मरीजों को किए फल एवं मास्क वितरण

मोहन मांझी पुष्पांजली टुडे

गोहद। पूर्व विधायक रणवीर जाटव 19 मई को 37 वर्ष के हो गए। पूर्व विधायक के 37वे जन्मदिन पर उनके समर्थकों ने शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद में मरीजों को फल एवं मास्क वितरित किए। तत् पश्चात पूर्व विधायक के शासकीय निवास स्थान पर उनके समर्थकों ने केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया। जन्मदिन मनाते समय कोरोना प्रोटोकॉल के अंतर्गत सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखा गया। इस अवसर पर भानू बोहरे, सुल्तान जाटव, कृष्णा पहलवान, सोनू राजपूत, धीरू शिवहारे, दिनेश जाटव, अमरजीत जाटव, सोनू राठी, आशिक़ खान, काजी खान आदि पूर्व विधायक के समर्थक उपस्थित रहे।

आतिशबाजी बनाते समय धमाका, एक व्यक्ति की मौत, एक अन्य घायल

पुष्पांजली टुडे

एटा। जिले के अलीगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार को आतिशबाजी बनाते समय धमाका हो गया। गांव चमन नगरिया के बाहर एक कोठरी में आतिशबाजी बनाने का काम चल रहा था। जिसमें आतिशबाज शमीम का पुत्र वसीम और कारीगर राजबहादुर 35 काम कर रहे थे। धमाका इतना जबरदस्त था कि कोठरी पूरी तरह धराशायी हो गई। धमाके और मलबे में दबने से राजबहादुर की मौके पर ही मौत हो गई। गांव वालों ने पहुंच कर घायल वसीम को बाहर निकाला। जिसे जिला अस्पताल भेजा गया है। एसडीएम एसपी वर्मा, सीओ राघवेंद्र सिंह सहित पुलिस बल और दमकल की गाड़ियां पहुंच गईं। मलबे से उठ रहे धुएं में पहले पानी डाला गया। एसडीएम ने बताया कि मलबे में अन्य कोई नहीं मिला है। पता किया जा रहा है कि आतिशबाजी बनाने का लाइसेंस था या नहीं। घटना अलीगंज क्षेत्र के गांव चमन नगरिया की है। धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य की हालत गंभीर है।

फिजिकल डिस्टेंस के साथ कम्युनिटी हेल्थ एक्शन टीम भिंड की बैठक मेहगांव में संपन्न

बृजपाल सिंह गुर्जर रिपोर्टर

मैहगांव / हेल्थ एक्शन टीम भिंड की बैठक मेहगांव में संपन्न हुई इस बैठक में फिजिकल डिस्टेंस के साथ-साथ सभी ने मास्क का प्रयोग किया और कोरोना गाइडलाइन का पूरा पालन किया गया। बता दें कि बैठक कोविड-19 के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से बगैर सुरक्षा संसाधन के कार्य कराएं जाने के विषय को लेकर की गई बैठक में चर्चा किए गए निम्न बिंदु इस प्रकार से है, 1. जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे आशा एवं आशा सहयोगिनी कार्यकर्ताओं को सुरक्षा संसाधन प्रदान नहीं किए गए हैं नाही वैक्सीन के दिन निर्धारित प्रोत्साहन ?200 की राशि प्रदान की गई है आशा एवं सहयोगी कार्यकर्ता किल कोरोना अभियान में घर-घर सर्वे के दौरान संभावित की पहचान करने का कार्य कर रही है साथ ही अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए आशा कार्यकर्ताओं के पास दवा किट भी उपलब्ध नहीं है जैसे जैसे कि ओ आर एस,जिंक,विटामिन सी आदि उपलब्ध नहीं है। 2. शासकीय स्वास्थ्य संस्थाएं जोकि बंद या जर्जर अवस्था में अथवा संसाधनों के अभाव में संचालित नहीं हो पा रही है उन सभी पर सुविधाओं की आपूर्ति प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की जाए पूर्व में भी कम्युनिटी हेल्थ एक्शन टीम के द्वारा सीताराम की लावन में 20 वर्षों से जर्जर हालत में पड़े उप स्वास्थ्य केंद्र का मुद्दा उठाया था जिस पर आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है जबकि कोविड के दौरान लॉकडाउन जैसी स्थिति में जब प्रत्येक व्यक्ति का घर से निकलना बंद किया गया है तब छोटी से छोटी स्वास्थ्य समस्या को लेकर सीताराम की लावन के आसपास के 5 गांव की लगभग 15 से 20,000 की आबादी 15 किलोमीटर दूर मेहगांव सीएचसी आने के लिए मजबूर है। बैठक के दौरान कम्युनिटी हेल्थ एक्शन टीम के सदस्यों द्वारा अपील की गई है की क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, क्राइसिस मैनेजमेंट के लोग एवं सामाजिक कार्यकर्ता कोविड19 की गाइड लाइन हो या फिर वैक्सीन के लिए जागरूकता का कार्य सभी में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सहयोग करने के लिए आगे आए। बैठक में आशा कार्यकर्ता आरती कुशवाहा रीना मुन्नी देवी सामाजिक कार्यकर्ता पत्रकार हरिओम शर्मा स्वदेश अखबार गणेश पाराशर पत्रिका पुरुषोत्तम राजोरिया आचरण एवम लक्ष्मी जी शामिल हुए।

आपदा में 112-यूपी की पहल

संक्रमण और कालाबाजारी के प्रति पीआरवी से कर रहे हैं जागरूक

पुष्पांजली टुडे

एटा। जिले मे 1अप्रैल से अब तक 6465 जरूरतमंदों को पहुंचायी सहायता वर्तमान में उत्तर प्रदेश पुलिस एवं 112 यूपी ने द्वारा जनमानस को आपात सहायता प्रदान की जा रही है उद्देश्य से उत्तर प्रदेश पुलिस व 112 यूपी द्वारा कालाबाजारी व जमाखोरी करने वालों के खिलाफ अभियान चला कर जनमानस को जागरूक किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में अपर पुलिस महानिदेशक-112 यूपी, श्री

ढ़ वैश्विक महामारी कोविड-9 के बढ़ते प्रसार को रोकने एवं आवश्यक वस्तुओं जैसे आक्सीजन सिलेंडर, जीवन रक्षक दवाये इत्यादि की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के अशोक कुमार सिंह द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दिये गये निर्देश के क्रम मे प्रदेश के सभी जनपदो को प्रचार-प्रसार हेतु 112 मुख्यालय लखनऊ द्वारा धन आवंटित किया गया है. आवंटित अनुदान के क्रम में ..14 होर्डिंग, 840 पोस्टर छपवाकर विभिन्न स्थानों पर लगाकर प्रचार-प्रसार कराया जा रहा है साथ ही 112 यूपी द्वारा उपलब्ध कराये गए ऑडियो जिंगल जिले मे संचालित 42 पीआरवी की संख्या पीआरवी मे लगे पीए सिस्टम के माध्यम से गाँव, कस्बों और शहरी इलाकों मे नागरिकों को कोरोना संक्रमण के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। आपदा की इस घड़ी मे 112 यूपी लगातार जरुरतमन्द लोगों तक आपात सहायता के साथ कानून-व्यवस्था संभालने का कार्य कर रही है. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा के निर्देशन मे 1 अप्रैल से अब तक एटा जिले मे 6465 जरुरतमन्द लोगों तक 112 यूपी की पीआरवी ने सहायता पहुंचायी है. लॉक डाउन के दौरान पीआरवी कर्मियों द्वारा गंभीर मरीजों को दवाई आदि पहुँचने का कार्य भी किया जा रहा है।

समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा ही जनसेवा है: अभय

दतिया(अर्पित गुप्ता)

युवा गहोई सेना दतिया के सैनिकों ने राशन सामग्री वितरित की कोरोना महामारी के बीच में मदद के हाथ बढ़ रहे हैं जरूरतमंदों को राशन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। कोरोना वायरस के चलते जिलेभर में लांकडाउन है और ऐसे में उन परिवारों पर अधिक असर पड़ रहा है जो मेहनत मजदूरी कर हर रोज कमाते खाते हैं लांक डाउन के चलते काम पूरी तरह से बंद है जिसके चलते उन्हें बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ऐसे जरूरतमंदों को युवा गहोई सेना के संस्थापक अभय गुप्ता नेताजी के नेतृत्व में युवा गहोई सेना दतिया द्वारा राशन सामग्री किट वितरण किया गया। जहां दूसरी तरफ इस हताशा व निराशा के माहौल में सबसे अधिक वे बुजुर्ग व जरूरतमंद परिवार सहमे हुए हैं जिनके घरों मे कमाने वाला कोई नही ऐसे में युवा गहोई सेना दतिया इन सभी जरूरतमंद बेसहारा लोगों का मनोबल और हौसला बढ़ा रहा है। युवा गहोई सेना दतिया के सदस्य जहां इन जरूरतमंद लोगों का मनोबल बढ़ा रहे है। वही एक फोन पर घर तक जरूरी राशन सामग्री पहुंचा रहें है इस कार्य के हर तरफ चर्चे तो हो रहे हैं वही जरूरतमंद लोग युवा गहोई सेना दतिया के सदस्यों को आर्शीवाद भी दे रहे हैं और दतिया के लोकप्रिय युवा समाजसेवी युवा गहोई सेना के संस्थापक व जन अभियान परिषद संगठन सेवा के सिद्धांत पर कार्य करता है हम सब का उद्देश्य है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद और सहयोग पहुंच वही सही मायने में जनसेवा है। इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री शिवम गुप्ता, जिला मंत्री सुमित गुप्ता, जिला सचिव आयुष गुप्ता, अफजल, अंश गुप्ता आदि सदस्य उपस्थित रहे।

लाइसेंसी बंदूक से जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

पुष्पांजली टुडे

एटा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जैथरा पुलिस द्वारा लाइसेंसी बंदूक से जान से मारने की नियत से फायर करने वाले अभियुक्त को घटना में प्रयुक्त बंदूक सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है।

घटनाक्रमानुसार 19 मई को महेश पत्र झब्बू निवासी ग्राम कसोलिया थाना जैथरा द्वारा थाना जैथरा पर इस आशय की सूचना दी गई कि गांव के ही रिंकू उर्फ रहीम खान पुत्र जगदीश ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर वादी को जान से मारने की नियत से अपनी लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग की है। इस सूचना पर थाना जैथरा पर एससी एसटी एक्ट पंजीकृत किया गया। उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना में वांछित चल रहे हैं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु थानाध्यक्ष जैथरा को निर्देशित किया गया। 20 मई को थाना जैथरा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर उक्त घटना में फरार चल रहे अभियुक्त रिंकू उर्फ रहीम खान को 12 बोर लाइसेंसी

बंदूक 5 खोखा कारतूस तथा तीन जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर थाना जैथरा पर आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

सेवड़ा संकुआ धाम पर सफाई करते हुए समाज सेवा टीम

समाज सेवा टीम के संयोजक श्यामू ठाकुर समाज सेवा के रूप में अलग पहचान बनाने वाले किसी ना किसी रूप में ईश्वर, संत, जनता की सेवा में लगे हुए हैं आपको बता दें कि आज समाज सेवा टीम सेवड़ा सनकुआ धाम पर पहुंची तो वहां पर लॉकडाउन के समय में अस्थि विसर्जन करने आए लोगों की अधिक संख्या होने के कारण गंदगी बहुत ज्यादा हो गई थी जिसको समाज सेवा टीम के संयोजक श्यामू ठाकुर ने देखा तो अपनी टीम को तुरंत सफाई के लिए बोला और समाज सेवा टीम के संयोजक सहित अपनी टीम के साथ सेवड़ा सनकुआ धाम पर सफाई में लग गए आपको बता दें कि श्यामू ठाकुर अपनी टीम के साथ लॉकडाउन के समय में गरीबों की भी तन मन से सेवा कर रहे हैं अभी पूर्व में ही उन्होंने संकुआ धाम पर रहने वाले संतों को सूखा राशन वितरित किया है कभी समाजसेवी श्यामू ठाकुर बेजुबान जानवरों को खाना खिलाते हैं तो कभी कन्या भोज तो कभी संत भोज करवाते हैं अब लॉकडाउन के समय में ऐसी स्थिति नहीं बन पाई तो उन्होंने संतो को सूखा राशन ही वितरित कर दिया और आज संकुआ धाम पर पहुंचकर सफाई में जुट गए इसी को लेकर वह सेवड़ा दतिया ही नहीं बल्कि पूरे मध्यप्रदेश में एक अलग पहचान बनाए हुए हैं वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर कई राजनीतिक लोग भी उनकी प्रशंसा कर चुके हैं और उन्हें कई बार प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित भी किया गया है।

ओमप्रकाश भाटी ने 51हजार रूपये

तामीलनाडु मुख्यमंत्री कोच मे सुपुर्द किये

चैन्नई। तामीलनाडु मुख्यमंत्री राहत कोश मे देने के लिए तिरुन्नानूर श्रीमहालक्ष्मी ज्वेलर्स के मालिक ओमप्रकाश भाटी ने अपने परिवार कि तरफ सु 51000/रुपये तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द को सुपुर्द किया इस कार्यक्रम मे पेरीयपालीयम के भागीरत जाट चौधरी पारसमल इन्द्रचन्द अशोककुमार वह उनके परिवार के सभी सदस्य मोजुद थे।

नेतीराम लेरचा ने मुख्यमंत्री राहत कोष मे 51 हजार रुपये सुपुर्द किये

चैन्नई। तामीलनाडु मुख्यमंत्री राहत कोष मे देने के लिए के .नेतीराम लेरचा ने अपने परिवार कि तरफ सु 51000/रुपये तामीलनाडु पावन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द को सुपुर्द किया इस कार्यक्रम मे श्री एन ओमप्रकाश लेरचा नेतीराम लेरचा की धर्म पत्नी केलीबाईजी ओमप्रकाश लेरचा की धर्म पत्नी सन्तोष बाई पुत्री जानवी जितेन्द्र लेरचा रेखा बाई वह नेतीराम लेरचा के परिवार के सभी सदस्य मोजुद थे।

कलेक्टर ने किया पी जी कालेज के टीकाकरण केन्द्र का निरीक्षण

पात्र लोगों से आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील, रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

बालाघाट। कलेक्टर श्री दीपक आर्य ने 20 मई को पी जी कालेज बालाघाट में बनाये गये कोविड वैक्सीन टीकाकरण केन्द्र का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान सहायक कलेक्टर श्री दलीप कुमार भी उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने टीकाकरण केन्द्र में बनाये जा रहे आयुष्मान कार्ड के कार्य को भी देखा। टीकाकरण केन्द्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री आर्य ने वहां के स्टाफ से कहा कि शासन के निर्देशों के अनुरूप ही टीकाकरण का कार्य पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए। टीका लगवाने के लिए आने वाले लोगों के दस्तावजों का सही परीक्षण करें। उन्होंने आयुष्मान कार्ड के लिए पात्र सभी लोगों से अपील की है कि यदि उनका आयुष्मान कार्ड न बना हो तो वे शीघ्र अपना आयुष्मान कार्ड बनवा लें। पीजी कालेज में कोविड वैक्सीन टीकाकरण के साथ ही पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने का भी काम किया जा रहा है। सभी पात्र लोग

कोविड वैक्सीन का टीका लगवाने के साथ ही इस सुविधा का लाभ उठायें।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा समस्त आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को निःशुल्क कोविड उपचार कराने हेतु मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत आयुष्मान योजना के कार्ड धारक लोगों एवं उनके परिजनों एवं आयुष्मान योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को प्रायवेट अस्पतालों में निःशुल्क उपचार किया जायेगा। मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना के लिए जिले के 08 निजी अस्पतालों को चिन्हित किया गया है और उनमें उपलब्ध कुल बेड के 20 प्रतिशत आयुष्मान योजना के हितग्राहियों के लिए आरक्षित कर दिये गये है। निजी अस्पतालों में आयुष्मान योजना के कोविड पाजेटिव मरीज का 05 लाख रुपये तक उपचार निःशुल्क किया जायेगा और 05 हजार रुपये की स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न जांचे निःशुल्क कराई जायेगी। मरीज के उपचार के बाद शासन द्वारा प्रायवेट अस्पताल को आयुष्मान योजना के हितग्राही के उपचार एवं जांच में व्यय हुई राशि प्रदान की जायेगी।

दो शातिर चोर चोरी की गई मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार

पुष्पांजली टुडे

एटा। जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था व अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण बनाए रखने के परिदृश्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी जलेसर सुनील कुमार त्यागी के नेतृत्व में अपराधियों के विरूद्ध तलाश वान्छित वारण्टी गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जलेसर पुलिस द्वारा दो शातिर चोर अर्जुन पुत्र सुरेश चन्द व उमेश पुत्र गितम सिंह निवासीगण जैनपुरा थाना जलेसर जिला को सम्बन्धित चोरी की हुई मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

विप्र एकता मंच में आदित्य मनोनीत

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)।राष्ट्रीय विप्र एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मित्रेश चतुर्वेदी जी की अनुमति से प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रेमचंद शर्मा की संस्तुति पर मध्यप्रदेश के युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्री दीपक दुबे द्वारा ब्राह्मण समाज के लिए सदैव तत्पर रहने वाले समर्पित समाज सेवी श्री आदित्य शर्मा को युवा मोर्चा का चंबल संभाग सोशल मीडिया प्रभारी बनाये जाने पर बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं , साथ ही आपसे उम्मीद की जाती है कि आप ब्राह्मण समाज को एकजुट करके संगठन से जोड़ने का काम करेंगे और ब्राह्मण उत्पीड़न के खिलाफ संगठन की मुहिम को गतिशीलता प्रदान करेंगे।

वकलांग बल श्योपुर की कार्यकारिणी ने मनाया भाजपा जिलाध्यक्ष जन्म दिवस

श्योपुर आज भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ और मेहनती ऊर्जावान जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह जाट के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में कोरोना गाईड लाइन का पालन करते हुये आज विकलांग बल के चम्बल सम्भागीय सचिव अफसार अहमद व जिला अध्यक्ष किशन खण्डेलवाल उपाध्यक्ष विक्की दीक्षित द्वारा भाजपा कार्यालय पर जाकर माल्यार्पण कर जन्मदिन मनाया गया व जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। विकलांग बल जिला अध्यक्ष ने श्योपुर के विकलांगों की समस्याओं से अवगत कराया और भाजपा जिलाध्यक्ष ने पूर्ण विश्वास दिलाया है कि में विकलांगों की सेवा में तत्पर तैयार हूँ और उन्हें जिले में सभी शासकीय योजनाओं का लाभ दिलवाता रहूँगा। विकलांग बल मध्यप्रदेश जिला इकाई श्योपुर की कार्यकारिणी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

रघुवंशी नायक समाज के जिला उपाध्यक्ष ने किया रक्तदान

श्योपुर। कोविड 19 टीम श्योपुर के सहयोग से जिला चिकित्सालय में रघुवंशी नायक समाज के जिला उपाध्यक्ष रामलखन नायक ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में 6वा रक्तदान किया इस मौके पर राष्ट्र भक्त युवा संगठन के जिला अध्यक्ष संजय मंगल श्योपुर कोविड 19 टीम के सदस्य अभिषेक मौर्य और रोहित अग्रवाल, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के कोविड सह प्रभारी महेंद्र आर्य, रघुवंशी नायक समाज जिलाध्यक्ष देवीशंकर नायक और डॉ. लक्ष्मण गुर्जर मुख्य रूप से उपस्थित रहे!

नर सेवा नारायण सेवा निरंतर जारी मेरा गांव कोरोना मुक्त गांव

पुष्पांजली टुडे

श्योपुर अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं सेवा भारती द्वारा श्योपुर जिले के 38 मंडलों केन्द्रों में कोरोना सुरक्षा किट का वितरण किया गया । इस अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ताओं की टोली गावो में कोरोना महामारी को रोकने हेतु प्रयास करेगी। श्योपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए यह सुरक्षा किट बहुत उपयोगी है। इस किट में मास्क, सैनिटाइजर, ग्लब्स, फेस शील्ड, आदि सामग्री है मास्को का वितरण गांव के लोगों को किया जाएगा साथ ही कोरोना से बचाव के लिए मास्क पहनने ,सामाजिक दूरी का पालन करने, बार बार साबुन से हाथ धोने आदि के लिए जागरूक किया जाएगा। साथ ही जुकाम, बुखार खांसी, सर्दी आदि के मरीजों की पहचान कर उन्हें दवा उपलब्ध कराने में मदद की जा रही है। कार्यकर्ताओं की टोली गांव के लोगों को टीकाकरण के लिए भी प्रेरित कर रही है इस अभियान में गांव में बाहर से आने वाले लोगों पर भी नजर रखी जा रही हैऔर अपने गांव को कोरोना संक्रमण से मुक्त रखने हेतु कार्यकर्ताओं की टीम काम कर रही है।

सेवा ही संगठन है

उमाकान्त शर्मा

भिण्ड। देश में कोविड 19 से महामारी के कारण मननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्देशानुसार एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे पी नड्डा जी एवं किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजकुमार चाहर जी तथा प्रदेश अध्यक्ष श्री दर्शन सिंह जी के आवाहन पर जिलाध्यक्ष श्री अजय सिंह भदौरिया जी के नेतृत्व में भिंड जिले के सभी 6 ब्लॉकों में सामुदायिक स्वास्थ केंद्रों पर कोविड 19 हेल्प डेस्क लगाकर खुद को सुरक्षित रखते हुए जरुरतमंदों को मदद करने का निर्णय लिया है। हेल्प डेस्क कल दिनांक 21/05/2021 को सुबह 10 बजे से सुरु की जाएगी भिंड नगर में जिला चिकित्सालय में किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजय सिंह भदौरिया के द्वारा हेल्प डेस्क लगाकर शुरुवात की जाएगी।

जन-भागीदारी से कोरोना संक्रमण की चेन तोड़कर मध्यप्रदेश ने पेश की अनूठी मिसाल

राष्ट्रीय स्तर पर हुई मध्यप्रदेश मॉडल की सराहना

भिण्ड । कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिये राज्य शासन द्वारा जन-भागीदारी के साथ संचालित अभियानों एवं नवाचारों के सु-परिणामों से एक बार फिर मध्यप्रदेश पूरे देश में मॉडल बन कर उभरा है। कोरोना जैसे अदृश्य शत्रु से लड़ने में जो रणनीति मध्यप्रदेश में अपनाई गई, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी सराहा है और अन्य प्रान्तों को इसका अनुसरण करने के लिये भी कहा है। आज की स्थिति में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मध्यप्रदेश में कोरोना के नियंत्रण एवं व्यवस्थाओं के लिये किये जा रहे नवाचारों तथा प्रदेश में जन-सहयोग से हो रहे समन्वित प्रयासों से कोरोना संक्रमण की स्थिति को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है। मध्यप्रदेश की कोरोना पॉजिटिविटी दर जो 1 मई को 20.3 प्रतिशत थी, आज 19 मई को घटकर 6.96 प्रतिशत हो गई है। एक्टिव केसेस की संख्या के हिसाब से मध्यप्रदेश 21 अप्रैल को देश में 7वें नंबर पर था। आज की स्थिति में बेहतर सुधार के साथ प्रदेश 15 वें नंबर पर आ गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना जैसी घातक बीमारी से एक जुट होकर जो लड़ाई लड़ी गई उसमें सभी वर्गों की सहभागिता रही है। यह कार्य अकेले शासन स्तर पर नहीं किया जा सकता था। इस बात को ध्यान में रखते हुए अनेक ऐसे कार्यक्रम और नवाचार किये गये जिससे समाज के हर वर्ग ने सक्रिय भूमिका निभाई। इसी का परिणाम है कि हम प्रदेश में संक्रमण की चेन को तोड़ने में सफल रहे हैं। राज्य शासन द्वारा निरंतर बढ़ाई गई उपचार की व्यवस्थाओं में समाज सेवी संगठन भी स्व-प्रेरणा से सहयोग के लिये आगे आये। अनेक जिलों में सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सर्व सुविधायुक्त कोविड केयर सेंटर बन कर तैयार हुए। वे साथ ही कई जिलों में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर जैसे जीवनदायी उपकरण भी उपलब्ध करवाये गये। मध्यप्रदेश के लिये यह खुशी का प्रसंग है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के कुशल नेतृत्व में कोरोना जैसी भयानक विपत्ति के समय प्रदेश की जनता सामूहिक रूप से राज्य सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है। प्रदेश में ÷मैं भी कोरोना वॉलेंटियर्स÷ अभियान ने जन-आंदोलन का रूप ले लिया। देखते ही देखते एक लाख से अधिक कोरोना वॉलेंटियर्स स्व-प्रेरणा से काम करने आगे आये। इन्होंने शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जिस जिम्मेदारी के साथ अपना दायित्व निभाया है, वह तारीफे काबिल है। गाँव-गाँव में कोरोना संक्रमण से बचाव का संदेश देना, ग्रामीणों को वैक्सीन का महत्व बताना और उसके लिये प्रेरित करना, जरूरतमंदों को भोजन कराना, मरीजों के उपचार में सहयोग करना और जिला प्रशासन के साथ मिलकर कोरोना गाईड लाईन का पालन कराने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये गये, जो अभी भी जारी हैं। प्रदेश की अधिकांश ग्राम पंचायतों ने स्व-प्रेरणा से निर्णय लेकर सभी गाँवों में जनता कर्फ्यू लगाया। ग्रामीणों द्वारा लिये गये इस महत्वपूर्ण संकल्प से अनेक गाँव ऐसे हैं, जिनमें कोरोना प्रवेश ही नहीं कर पाया। उपचार की व्यवस्थाओं के साथ राज्य सरकार ने दिन प्रति दिन कोरोना टेस्टिंग के प्रतिशत को भी बढ़ाया। दिनांक 18 मई को रिकार्ड 72 हजार 756 टेस्ट किये गये। मुख्यमंत्री श्री चौहान का कहना है कि कोरोना टेस्ट हर नागरिक का अधिकार है। जो भी चाहेगा उसका निःशुल्क टेस्ट कराया जाएगा। एग्रेसिव टेस्टिंग के लिये शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल टेस्टिंग यूनिट भी कार्य कर रही है। साथ ही शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चलाये जा रहे किल कोरोना अभियान-3 में घर-घर जाकर सर्वे का कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के सर्वे में सुपरवाईजरी टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर 2 लाख 56 हजार 793 को मेडिकल किट प्रदान की गई और 5,687 व्यक्तियों को कोविड केयर सेन्टर एवं 47 हजार 131 संदिग्ध व्यक्तियों को फीवर क्लीनिक रेफर किया गया। अभियान में 3,040 पॉजीटिव प्रकरणों का चिन्हांकन हुआ। शहरी क्षेत्र में किल कोरोना अभियान-3 के तहत लगभग 2 करोड़ 12 लाख जनसंख्या का सर्वे लक्षित किया गया हैं, 872 कोविड सहायता केन्द्र स्थापित किए गए हैं। इन कोविड सहायता केन्द्रों पर एक लाख 16 हजार 146 संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर 85 हजार 299 को मेडिकल किट प्रदान की गई हैं और 21 हजार 219 संदिग्ध व्यक्तियों को फीवर क्लीनिक रेफर किया गया हैं। अभियान में 1,911 पॉजीटिव प्रकरणों का चिन्हांकन हुआ है।

संक्रमण से मुक्त होने वालों की संख्या में प्रतिदिन हो रही वृद्धि-राज्य शासन के समन्वित प्रयासों, प्रबंधन एवं चिकित्सकीय सुविधाओं की बढ़ोत्तरी से प्रतिदिन स्वस्थ और संक्रमण मुक्त होने वालों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। इससे प्रदेश का रिकवरी रेट 87.66 प्रतिशत तक पहुँच गया है। प्रदेश में एक दिन में जितने लोग स्वस्थ हुए हैं, उनमें से 82.2 प्रतिशत ऐसे मरीज हैं जो होम आइसोलेशन में और 4.4 प्रतिशत ऐसे मरीज हैं जो कोविड केयर सेंटर में थे। इस प्रकार 86.6 प्रतिशत मरीज ऐसे हैं जो अस्पताल जाये बिना होम आइसोलेशन और कोविड केयर सेंटर में ही स्वस्थ हो रहे हैं। शेष 13.4 प्रतिशत मरीज अस्पतालों से संक्रमण मुक्त होकर सकुशल अपने घर पहुँचे हैं।

मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना-मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना में प्रदेश के शासकीय अस्पतालों और कोविड केयर सेन्टर में प्रदेश का कोई भी नागरिक भर्ती होकर निःशुल्क इलाज करा सकता हैं। इस कम्पोनेन्ट के तहत आज दिनांक की स्थिति में 15 हजार 112 मरीज उपचाररत् हैं। प्रदेश के चार जिलों इन्दौर, भोपाल, देवास और उज्जैन के प्राइवेट चिकित्सा महाविद्यालय के अस्पतालों में अनुबंधित बिस्तरों पर प्रदेश का कोई भी नागरिक भर्ती होकर निःशुल्क उपचार करा सकता हैं। अभी इस कम्पोनेन्ट के तहत 2396 मरीज उपचाररत् हैं। आयुष्मान से सम्बद्ध समस्त अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड की पात्रता रखने वाले परिवार के सभी सदस्यों का निःशुल्क उपचार किया जा रहा हैं। इस कम्पोनेन्ट के तहत 5,037 मरीज उपचाररत् हैं। कोविड-19 उपचार करने वाले 603 निजी चिकित्सालयों में से 188 निजी चिकित्सालय आयुष्मान योजना से पूर्व से सम्बद्ध हैं। निजी चिकित्सालयों के आयुष्मान से संबद्ध होने के 333 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिसमें से 262 को सम्बद्ध भी किया जा चुका हैं।

पोस्ट कोविड केयर की भी पूरी व्यवस्था-मुख्यमंत्री श्री चौहान की रणनीति कोरोना से स्वस्थ होने तक ही नहीं है, अपितु पोस्ट कोविड केयर की भी पूरी व्यावस्था प्रदेश में की जा रही है। ब्लैक फंगस ÷म्यूकॉरमाइकोसिस÷ जैसी जानलेवा बीमारी जिसका इलाज अत्यंत खर्चीला है, के उपचार की निःशुल्क व्यवस्था की जा रही है। जिन मरीजों में पोस्ट कोविड कॉम्प्लिकेशन हैं, उनके उपचार एवं देखभाल के लिये कुछ कोविड केयर सेंटर्स को पोस्ट कोविड केयर सेंटर्स के रूप में भी इस्तमाल किया जा रहा है। प्रदेश के 52 जिलों में 374 कोविड केयर सेंटर्स प्रारंभ किये जा चुके हैं, जिनमें मंद लक्षणों वाले रोगियों को रखा जा रहा है। इनमें वर्तमान में कुल 22 हजार 745 बेड्स हैं। इनमें 3525 ऑक्सीजन बेड्स स्थापित किए गए हैं।

संवेदनशील अभिभावक की भूमिका में मुख्यमंत्री श्री चौहान-प्रदेश की लगभग 8 करोड़ जनता के लिये सदैव अभिभावक की भूमिका में रहने वाले मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना संकट काल में गरीब एवं जरूरतमंदों के लिये प्रदेश का खजाना खोल दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोरोना संक्रमण से प्रभावित ऐसे परिवारों के प्रति पूरी संवेदनशीलता अपनाई, जिनके परिवार में कमाने वाला और पालन-पोषण करने वाला सदस्य जीवित नहीं बचा। ऐसे परिवारों के लिये अभिभावक की भूमिका निभाते हुए मुख्यमंत्री ने पाँच हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दिये जाने का निर्णय लिया। प्रदेश में गरीब परिवारों को तीन माह का निःशुल्क राशन दिया जा रहा है। प्रदेश के 6 लाख 10 हजार शहरी पथ विक्रेताओं के खाते में 61 करोड़ की राशि अंतरित की गई। संबल योजना के 16 हजार 844 हितग्राहियों के खातों में 379 करोड़ रूपये की अनुदान राशि का अंतरण किया गया। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 75 लाख किसानों के खातों में 1500 करोड़ रूपये अंतरित किये। प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया तथा सहरिया वर्ग की 2 लाख 18 हजार 593 महिलाओं को 21 करोड़ 85 लाख 93 हजार रूपए की पोषण आहार अनुदान राशि अंतरित की गई। प्रदेश के 27 लाख 35 हजार तेंदूपत्ता संग्राहकों को 191 करोड़ 44 लाख रूपये की पारिश्रमिक राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को संबल योजना में शामिल करने की घोषणा भी की है।

कर्मचारियों के हितैषी मुख्यमंत्री श्री चौहान-मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कोविड-19 संकट काल में कर्मचारियों के हित में दो महत्वपूर्ण घोषणाएँ करते हुए मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना और मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना भी लागू की है। मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना समस्त नियमित स्थाईकर्मी, कार्यभारित एवं आकस्मिकता निधि से वेतन पाने वाले, दैनिक वेतन भोगी, तदर्थ, संविदा, कलेक्टर दर, आउटसोर्स के रूप में कार्यरत शासकीय सेवकों के लिए लागू की गई है। योजना के अंतर्गत इन सेवायुक्तों की कोविड संक्रमण से मृत्यु होने पर उनके परिवार के पात्र एक सदस्य को उसी प्रकार के नियोजन में अनुकम्पा नियुक्ति दी जाएगी। मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना में राज्य में कार्यरत समस्त, नियमित, स्थाईकर्मी, दैनिक वेतन भोगी, तदर्थ, संविदा, आउटसोर्स, अन्य शासकीय सेवक/सेवायुक्तों की कोविड-19 के कारण आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके परिवार को तात्कालिक आर्थिक सहायता के रूप में 5 लाख रूपए की अनुग्रह राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना महामारी के काल में जन-जागृति का धर्म निभा रहे प्रदेश के प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और डिजिटल मीडिया के सभी अधिमान्य या गैर-अधिमान्य मीडियाकर्मी और संपादकीय विभाग के कर्मचारियों तथा इनके परिवार के सदस्यों के कोरोना से प्रभावित होने पर उनका निःशुल्क उपचार करवाने का निर्णय भी लिया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मीडिया साथियों के परिवार के कोरोना इलाज की चिंता भी सरकार करेगी।

करैरा के बिलैया परिवार ने किया 100 पैकेट खाद्यान किट के रूप में तैयार, प्रशासन जरूरतमंदों को करेगा वितरण

पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी/करैरा नगर के समाजसेवी बिलैया परिवार ने कोरोना महामारी में बेरोजगार हुए मजदूर व गरीबों के लिए अपने पिताजी जीवनलाल बिलैया व माताजी श्रीमती लीला देवी की प्रेरणा से 100 पैकेट खाद्यान्न किट वितरण के लिए नगर प्रशासन को भेंट की है। किट में आटा 2 किलों, दाल 500 ग्राम, बासमती चावल 1 किलों, मंगल मसाला जिसमें मिर्ची, हल्दी, धनिया, टाटा नमक व फॉर्चून तेल शामिल है। सामग्री की 100 किट तैयार कर एसडीएम एवं नगर पालिका प्रशासन अंकुर रवि गुप्ता, मुख्य नगर पंचायत अधिकारी केके शिवहरे को सौपी है। यह किट गरीबों में वितरित करने के लिए सौपी हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि और भी आवश्यकता होगी तो बिलैया परिवार देने को तैयार है। पत्रकार संजय बिलैया के पिताजी श्री जीवन लाल बिलैया, उनके भाई अनिल कुमार, रामबाबू, एडवोकेट वीरेंद्र गुप्ता, मनोज कुमार गुप्ता बंटी एवं उनका भतीजा इंजीनियर मनीष गुप्ता ने यह किट तैयार करा कर भेंट की है।प्रशासन ने बिलैया परिवार को धन्यवाद दिया है, व कहा है कि दान देने वाले समाजसेवी आगे आए व ऐसी विषम परिस्थितियों में समाज के जरूरमंद लोगो को मदद करें।

कांग्रेस विधायक हिना कावरे ने लगवाया कोरोना का टिका

रितेश कटरे ब्युरो चीफ

बालाघाट। कोरोना वायरस के प्रकोप के बीच वेक्सीनेशन का कार्य भी जोरों पर है। एक ओर जहां वेक्सीनेशन को लेकर भ्रामक प्रचार किया गया था। वहीं जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा वेक्सीनेशन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए सभी को वेक्सीन लगाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा की पुर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हिना लिखिराम कावरे विधायक के द्वारा आज लांजी वेक्सीनेशन सेंटर में पहुंचकर भाई पंकज कावरे के साथ वेक्सिन लगवाया गया। इस दौरान तहसीलदार आर. पी. मार्को, चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रदीप गेडाम,मुकेश जोशी, अजय अवसरे वेक्सिनेशन के समय उपस्थित रहे। **सभी वेक्सीन लगाएं, सुश्री हिना कावरे विधायक-**वेक्सीनेशन के पश्चात विधायक सुश्री हिना कावरे ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि आपदा प्रबंधन की बैठक में एक सुझाव आया कि वेक्सीनेशन को लेकर सभी से अपील करनी चाहिए। और मैंने स्वयं आज वेक्सीन लगवाई। मैं सभी से चाहतीं हूं कि सभी वेक्सीन लगाएं। डरे नही, डाक्टर से सलाह लें और वेक्सीन ज़रूर लें।

कृषकों को गेहूं खरीदी हेतु भेजे गए एसएमए

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिंड (व्यूरो)। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के निर्देशन में रबी उपार्जन वर्ष 2021-22 में समर्थन मूल्य का उपार्जन जिले के 58 केन्द्रों पर किया जा रहा है। जिन किसानों को गेहूं खरीदी के लिए एसएमएस भेजा गया है उसकी वैद्यता 29 मई 2021 तक रहेगी। जिला आपूर्ति अधिकारी सूरज प्रकाश सिंह कुशवाह ने बताया कि रबी उपार्जन वर्ष 2021-22 में समर्थन मूल्य में गेहूं का उपार्जन कार्य जिले में निर्धारित 58 केन्द्रों पर निरंतर जारी है। परन्तु मौसम विभाग की चेतावनी अनुसार आगामी 23 मई 2021 तक बारिश होने की संभावना को देखते हुए अंतर्विभागीय अधिकारियों की बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार 23 मई 2021 तक जिले में समस्त उपार्जन केन्द्रों पर उपार्जन कार्य बंद रहेगा। जिन कृषकों के उक्त दिनांकों में एसएमएस किए गए हैं उनकी वैद्यता 29 मई 2021 तक रहेगी तथा मौसम खुलने के उपरांत 24 मई 2021 सोमवार से पुनः उपार्जन कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

ममता भदोरिया बनी अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट महिला विंग की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मध्य प्रदेश

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के प्रदेश प्रमुख महामंत्री गोपाल सिंह तोमर जी की अनुशंसा पर संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष विजया सोलंकी जी ने मेहगांव नगर परिषद की पूर्व अध्यक्ष ममता भदोरिया को कार्यकारी अध्यक्ष मध्य प्रदेश नियुक्त किया।। ममता भदोरिया जी की नियुक्ति पर संगठन के सभी साथियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बधाई देने वालों में निशा राज सिंह तोमर, मीना भदोरिया, मंजू सैगर, प्रशांत सिंह परमार, राजीव भदोरिया, रविंद्र सिंह तोमर, राधा शरण सिंह तोमर, राहुल परमार, योगेंद्र सिंह तोमर, धर्मेंद्र सिंह कुशवाह, शैलेंद्र सिंह राठौड़, राम तोमर, साजन सिंह राठौड़,सुरेंद्र परमार, संदीप सिंह तोमर, आदि अनेक साथियों ने बधाइयां दी।

संपादकीय

दमन की राह

विडंबना यह है कि किसी भी लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन में सरकार, प्रशासन और पुलिस आमतौर पर यह मान कर चलती है कि आंदोलनकारियों का दमन करना ही उनका प्राथमिक कर्तव्य है। यह एक परिपक्व लोकतंत्र का चरित्र नहीं होता है।

नए कृषि कानूनों की वापसी की मांग को लेकर सरकारी उदासीनता के बीच किसानों के पास यही विकल्प बचता है कि वे विरोध प्रदर्शनों के जरिए सरकार को अपनी बात पर गौर करने के लिए कहें। लेकिन सरकारी तंत्र और नेतृत्व के भीतर इस समस्या को लेकर अपेक्षित जिम्मेदारी की भावना नहीं सामने आ रही है। उल्टे जब किसान लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों के जरिए सरकार को उसकी जिम्मेदारी की याद दिलाना चाहते हैं तो उनके खिलाफ पुलिस बलों के सहारे दमन की कार्रवाई की जाती है। गौरतलब है कि रविवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री हिसार में एक अस्पताल का उद्घाटन करने पहुंचे तो किसानों ने उनके दौरे का विरोध किया। उनका यह विरोध पूर्व घोषित था, इसलिए कहा जा सकता है कि उन्होंने अपने प्रदर्शनों का स्वरूप लोकतांत्रिक बनाए रखने की कोशिश की थी। लेकिन तयशुदा कार्यक्रम निपटने और मुख्यमंत्री के चले जाने के बाद जब किसान प्रदर्शन कर रहे थे, तब अचानक ही वहां मौजूद पुलिस ने उन पर लाठियां बरसानी शुरू कर दीं और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। नतीजतन, किसानों की तरफ से भी पथराव हुआ। सवाल है कि ऐसी अराजकता की स्थिति न आने देने की जिम्मेदारी आखिर किसकी थी!

किसानों ने एक दिन पहले अपने प्रदर्शन के बारे में घोषणा कर दी थी। लेकिन क्या सरकार की ओर से कोई नेता, अधिकृत अधिकारी या पुलिस अधिकारी ने इस मसले पर किसानों से बात करने की कोशिश की थी? पुलिस ने जिस तरह बेहरमी से किसानों पर लाठी चार्ज किया, क्या वह आखिरी विकल्प था? पुलिस और प्रशासन के उच्च स्तर के अधिकारियों की जिम्मेदारी समय के अनुकूल विवेक का प्रयोग कर हिंसा की स्थिति को अधिकतम स्तर तक रोकने की भी होती है।

विडंबना यह है कि किसी भी लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन में सरकार, प्रशासन और पुलिस आमतौर पर यह मान कर चलती है कि आंदोलनकारियों का दमन करना ही उनका प्राथमिक कर्तव्य है। यह एक परिपक्व लोकतंत्र का चरित्र नहीं होता है। आंदोलनकारियों को पुलिस की हिंसा के जरिए चुप कराने की कोशिशें दीर्घकालिक शांति या समाधान का रास्ता नहीं निकाल पाती हैं। जहां तक नए कृषि कानूनों को खत्म कराने के मसले पर खड़े हुए किसानों के आंदोलन का सवाल है, तो इक्का-दुक्का उदाहरणों को छोड़ दें तो अब तक इसका स्वरूप लोकतांत्रिक ही रहा है और आंदोलनकारियों ने अधिकतम संयम का परिचय दिया है। किसान नेताओं ने अपनी मांगों को लेकर सरकार से बातचीत का सिरा कायम रखने की हर संभव कोशिश की है। लेकिन पिछले काफी समय से किसानों और सरकार के बीच संवाद तक बंद है और दोनों में से कोई पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं है। क्या सरकार को यह नहीं लगता है कि अगर उसका पक्ष सही है तो वह संवाद के जरिए किसानों को सहमत करने की कोशिश करे? या फिर अगर किसानों की मांगों के पीछे तर्क ज्यादा मजबूत है तो सरकार अपनी जिद पर पुनर्विचार करे? जो हो, लोकतंत्र का यह तकाजा है कि जनता अपनी जरूरतों और अधिकारों के लिए सरकार के सामने सवाल उठाए और उस पर गौर करना सरकार की जिम्मेदारी है।

कोरोना कालः मानसिक स्वास्थ्य का रखें खास ख्याल

प्रो. संजय द्विवेदी

बहुत सारी समस्याएँ काउंसलर से बात करके और उनके द्वारा सुझाये गए उपाय अपनाकर ही दूर हो जाती है तो कुछ दवाओं के सेवन से दूर हो जाती हैं । इसलिए सरकार का भी पूरा जोर है कि जो लोग कोरोना को मात दे चुके हैं लेकिन दिलोदिमाग से उसे भुला नहीं पाए हैं, उनको मानसिक तौर पर संबल देने के साथ ही उन लोगों की भी काउंसिलिंग व इलाज पर ध्यान दिया जाए जो अपने किसी करीबी को खोने के गम से उबरने में दिक्कत महसूस कर रहे हैं। करीबियों से करते रहिए बातः मानसिक तनाव की स्थिति में भी कोई गलत कदम न उठाएं, जिसको अपने सबसे करीब समझते हैं उससे बात कीजिये, यकीन मानिये बात-बात में कोई न कोई रास्ता जरूर निकलेगा। ऐसे में अगर परिवार के साथ हैं तो आपस में बातचीत करते रहें। एक-दूसरे की बात को ध्यान से सुनें।

कोविड-19 के इस दौर ने हर किसी को किसी न किसी रूप में गंभीर रूप से प्रभावित किया है। किसी ने अपना हमसफर खोया है तो किसी ने अपने घर-परिवार के सदस्य,दोस्त या रिश्तेदार को खोया है। इन अपूरणीय क्षति का किसी न किसी रूप में दिलोदिमाग पर असर पड़ना स्वाभविक है, लेकिन मनोचिकित्सकों का कहना है कि ऐसी स्थिति का लम्बे समय तक बने रहना आपको मानसिक तौर पर बीमार बना सकता है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके उस दौर से उबरकर आगे के रास्ते को सुगम व सरल बनाने के बारे में विचार करें। इसके लिए परिजनों के साथ-साथ मनोचिकित्सक या काउंसलर की भी मदद ली जा सकती है। जो सदमे से उबारने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के मनोचिकित्सा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आदर्श त्रिपाठी का कहना है कि जिस तरीके से शरीर के हर अंग का इलाज संभव है, उसी तरह से मानसिक स्वास्थ्य का भी इलाज मौजूद है। बहुत सारी समस्याएँ काउंसलर से बात करके और उनके द्वारा सुझाये गए उपाय अपनाकर ही दूर हो जाती हैं तो कुछ दवाओं के सेवन से दूर हो जाती हैं । इसलिए सरकार का भी पूरा जोर है कि जो लोग कोरोना को मात दे चुके हैं लेकिन दिलोदिमाग से उसे भुला नहीं पाए हैं, उनको मानसिक तौर पर संबल देने के साथ ही उन लोगों की भी काउंसिलिंग व इलाज पर ध्यान दिया जाए जो अपने किसी करीबी को खोने के गम से उबरने में दिक्कत महसूस कर रहे हैं।

करीबियों से करते रहिए बातः मानसिक तनाव की स्थिति में भी कोई गलत कदम न उठाएं, जिसको अपने सबसे करीब समझते हैं उससे बात कीजिये, यकीन मानिये बात-बात में कोई न कोई रास्ता जरूर निकलेगा। ऐसे में अगर परिवार के साथ हैं तो आपस में बातचीत करते रहें। एक-दूसरे की बात को ध्यान से सुनें। बेवजह टोकाटाकी से बचें। यदि अकेले रह रहे हैं तो कोई फिल्म या सीरियल देखें और किताबें पढ़ें। ध्यान, योग और प्राणायाम का भी सहारा ले सकते हैं। अपने करीबी से वीडियो कॉल या फोन करके भी बातचीत कर सकते हैं, इससे भी मन हल्का होगा और हर समय दिमाग में आ रहे नकारात्मक विचार दूर होंगे। यह मानकर चलें कि यह वक्त किसी के लिए भी बुरा हो सकता है, किन्तु ऐसी स्थिति हमेशा तो नहीं बनी रहने वाली। यह वक्त भी गुजर जाएगा। जो वक्त गुजर गया, उसमें से ही कुछ सकारात्मक सोचें। अपने अन्दर साहस लायें ।

वक्त का काम है बदलना, यह भी बदल जाएगा

दिनचर्या में शारीरिक गतिविधि को शामिल करें: शुरू में भले ही मन न करे फिर भी हर दिन की कुछ ऐसी कार्ययोजना बनाएं जो सार्थकता और उत्पादकता से भरपूर हो । कुछ दिन तक ऐसा करने से निश्चित रूप से उसमें मन लगने लगेगा और कोरोना काल के उस बुरे दौर की छाप भी दिलोदिमाग से हटने लगेगी। दिनचर्या में 45 मिनट का समय शारीरिक गतिविधियों के लिए जरूर तय करें, क्योंकि शारीरिक गतिविधियाँ किसी भी तनाव के प्रभाव को कम करने में प्रभावी साबित होती हैं । नकारात्मक समाचारों से दूरी बनाने में ही ऐसे दौर में भलाई है। खासकर सोशल मीडिया पर आने वाली गैर प्रामाणिक खबरों से। तनाव या अवसाद से उबरने के लिए नशीले पदार्थों का सहारा भूलकर भी न लें। क्योंकि ऐसा करना गहरी खाई में धकेलने के समान साबित होगा ।

दूसरों की भलाई सोचें, मिलेगी बड़ी राहत : तनाव व अवसाद से मुक्ति पाने का सबसे उपयोगी तरीका यही है कि दूसरों के लिए कुछ अच्छा सोचें और उनकी भलाई के लिए कदम बढ़ायें। भले ही वह बहुत ही छोटी सी मदद क्यों न हो । यह भलाई किसी भी रूप में हो सकती है, जैसे- भावनात्मक रूप से या आर्थिक रूप से या किसी अन्य मदद के रूप में। जब आप दूसरों की भलाई या अच्छाई के बारे में सोचते हैं या मदद पहुंचाते हैं तो वह निश्चित रूप से आपको एक आंतरिक शांति और सुकून प्रदान करती है।

जांच में न करें देरी: कोरोना के लक्षण आने के बाद भी उसे सामान्य सर्दी, खांसी व जुकाम-बुखार मानकर नजरंदाज करने की भूल हुई हो तो न घबराए। जांच में देरी करने की चूक हुई हो, रिपोर्ट के इन्तजार में जरूरी दवाएं न शुरू करने के चलते स्थिति गंभीर बनने से अपनों को खोने जैसे सवाल बार-बार दिमाग में कौंधते ही हैं। संयम बनाए रखें। घबराने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है । हाँ ! इतना जरूर हो सकता है कि दूसरे लोग वह भूल या चूक न करें उनके लिए आप बहुत बड़े मददगार जरूर साबित हो सकते हैं। उनको बताएं कि जैसे ही कोरोना से मिलते-जुलते लक्षण नजर आएं तो अपने को आइसोलेट करने के साथ ही जांच कराएँ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा तय दवाओं का सेवन शुरू कर दें। ऐसा करने से कोरोना गंभीर रूप नहीं ले पायेगा। बहुत कुछ संभव है कि बगैर अस्पताल गए कोरोना को कम समय में घर पर रहकर ही मात दे सकते हैं ।

भरपूर नींद है जरूरी : किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरीश गुप्ता का कहना है कि नींद को भी एक तरह की थेरेपी माना जाता है । चिंता के चलते पूरी नींद न लेना अवसाद की ओर ले जाता है । मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सिर और शरीर में दर्द, थकान, याददाश्त में कमी आना, चिड़चिड़ापन, क्रोध की अधिकता, हार्मोन का असंतुलन, मोटापा, मानसिक तनाव जैसी समस्याएं अनिद्रा के कारण जन्म लेती हैं । कई बार चिकित्सक पर्याप्त नींद की सलाह देकर रोगों से छुटकारा दिलाने का काम करते हैं। हर व्यक्ति को 7-8 घंटे की नींद अवश्य लेनी चाहिए । टीवी, लैपटॉप व मोबाइल पर ज्यादा समय न देकर सेहत के लिए अनमोल नींद को जरूर पूरी करें जो कि ताजगी और फुर्ती देने का काम करेगी ।

योग एवं ध्यान करें : योग प्रशिक्षक बृजेश कुमार का कहना है कि ध्यान, योग और प्राणायाम के जरिये एकाग्रता ला सकते हैं, नकारात्मक विचारों से मुक्ति दिलाने में भी यह बहुत ही कारगर हैं । कोरोना काल में बहुत से लोगों ने इसे जीवन में अपनाया है और फायदे को भी महसूस कर रहे हैं । इम्यून सिस्टम को भी इससे बढ़ाया जा सकता है ।

संतुलित आहार लें : आयुर्वेदाचार्य डॉ. रूपल शुक्ला का कहना है कि हमारे खानपान का असर शरीर ही नहीं बल्कि मन पर भी पड़ता है, इसलिए संतुलित आहार के जरिये भी मन को प्रसन्न रख सकते हैं। भारतीय थाली (दाल, चावल, रोटी, सब्जी, सलाद, दही) संतुलित आहार का सबसे अच्छा नमूना है । संतुलित भोजन हमारे शरीर के साथ ही मानसिक स्थितियों को स्वस्थ बनाता है ।

परेशान हैं तो संपर्क करें हेल्पलाइन पर : विश्व स्वास्थ्य संगठन से लेकर सरकार तक को इस बात का एहसास है कि कोरोना के चलते मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं बढ़ सकती हैं । इसीलिए सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर 1800-180-5145 पर संपर्क करने को कहा है । किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के मानसिक रोग विभाग ने भी इस तरह की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए हेल्पलाइन (नं. 8887019140) शुरू की है,जिस पर काउंसिलिंग की सुविधा प्रदान करने के साथ लोगों को मुश्किल वक्त से उबारकर एक खुशहाल जिन्दगी जीने की टिप्स भी मिलती है । अनेक राज्य सरकारों के स्वास्थ्य विभागों, सामाजिक संस्थाएं और चिकित्सा संस्थाएं आनलाईन लोगों की मदद कर रही हैं। जरूरत है धैर्य से इस संकट से निपटने की। भरोसा कीजिए हमारे संकट कम होंगें और जिंदगी मुस्कुराएगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और जन संचार विशेषज्ञ हैं।)

मैं इंदिरा का बेटा हूंः राजीव गांधी

-डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज', इन्दौर

31 अक्टूबर 1984 को दिल्ली में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय ने लिया गया। किन्तु राजीव गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के पक्ष में सोनिया गांधी नहीं थीं। रशीद किदवई के अनुसार ''राजीव गांधी जब एम्स पहुंचे तब सोनिया गांधी ने उन्हें रोकर आग्रह किया कि वो प्रधानमंत्री ना बनें। सोनिया ने उन्हें खतरे की तरफ आगाह किया। उसके जवाब में राजीव गांधी ने कहा कि ''मैं इंदिरा गांधी का बेटा हूं, जो लोग मुझे नहीं पसंद करते हैं वो मुझे वैसे भी नहीं छोड़ेंगे।' ये सुनकर सोनिया निरुत्तर हो गईं।'' जवाहर लाल नेहरू के नाती और इंदिरा गांधी के बड़े बेटे राजीव गांधी की राजनीति में दिलचस्पी नहीं थी। उनकी पत्नी सोनिया गांधी भी यही चाहती थीं कि वो राजनीति से खुद को दूर रखें। इतने बड़े सियासी खानदान से होते हुए भी राजीव गांधी पायलट की नौकरी करते थे। भाई संजय गांधी की मौत के बाद हालात ऐसे बन गए कि मां की मदद के लिए उन्होंने राजनीति में कदम रखा। 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस में कई दिग्गज और वरिष्ठ नेता तो थे। रशीद किदवई बताते हैं,

''राजीव गांधी के पास अनुभव नहीं था लेकिन तब कांग्रेस का जो कल्चर था उसमें इंदिरा के बेटे का विरोध करने की हिम्मत कौन करता। ना कांग्रेस संसदीय दल की मीटिंग हुई, ना वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई। सब आपाधापी में हुई। आज भी कांग्रेस में कोई विद्रोह नहीं कर सकता।'' राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त, 1944 को हुआ था. वो इंदिरा गांधी के बड़े बेटे थे. शुरुआत से ही उन्हें राजनीति में दिलचस्पी नहीं थी. वो एक एयरलाइन में पाइलट की नौकरी करते थे। राजीव गांधी से कैम्ब्रिज से पढ़ाई पूरी की। यहीं उनकी मुलाकात सोनिया गांधी से हुई थी। दोनों ने 1968 में शादी रचा ली। भाई संजय गांधी के निधन के बाद राजीव राजनीति में अपनी मां के लिए आए। सोनिया गांधी भी उन्हें राजनीति में आने से रोकती रहीं लेकिन इंदिरा गांधी की अचानक मृत्यु के बाद राजीव को देश की बागडोर संभालनी पड़ी। इंदिरा गांधी के प्रधान सचिव रहे पीसी एलेक्जेंडर ने अपनी किताब 'माई डेज विद इंदिरा गांधी' में लिखा है कि इंदिरा गांधी की हत्या के कुछ घंटों के भीतर उन्होंने ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट के गलियारे में सोनिया और राजीव को लड़ते हुए देखा था। राजीव सोनिया को बता रहे थे कि पार्टी चाहती है कि 'मैं प्रधानमंत्री पद की शपथ लूँ'. सोनिया ने कहा हरगिज नहीं। 'वो तुम्हें भी मार डालेंगे।' राजीव का जवाब था, 'मेरे पास कोई विकल्प नहीं है. मैं वैसे भी मारा जाऊँगा।' सात वर्ष बाद राजीव के बोले वो शब्द सही सिद्ध हुए थे. अब से 30 वर्ष पूर्व 21 मई 1991 को राजीवगांधी को देशवासियों ने वक्त से पहले खो दिया। श्रीपेरंबदूर में एक धमाके में राजीव गांधी की मौत हो गई थी। श्रीलंका में प्रभाकरन के नेतृत्व में तमिल संगठन लिट्टे द्वारा वहां की सरकार के विरुद्ध विद्रोह चलाया जा रहा था। श्रीलंका के आग्रह पर विद्रोह से मुकाबला करने के लिए भारत ने वहां सहायतार्थ भेजी हुई थी। इस कारण लिट्टे भारत के प्रधानमंत्री राजीव गांधी से खफा था और उसने राजीव

गांधी की हत्या की साजिस रच डाली। 10 वीं लोकसभा चुनाव 1991 के पहले चरण की वोटिंग हो चुकी थी। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कांग्रेस की सत्ता में वापसी के लिए जोर-शोर से प्रचार अभियान में जुटे थे। इस कड़ी में तमिलनाडु के श्रीपेरंबदुर में 21 मई 1991 को कांग्रेस की जनसभा होनी थी। रैली में जबरदस्त भीड़ जुट चुकी थी, रात 10 बजकर 20 मिनट का समय हो रहा था, कांग्रेस जिंदाबाद के नारों से श्रीपेरंबदुर गूंज रहा था राजीव गांधी जनसभा को संबोधित करने के लिए मंच की ओर बढ़ चले थे। एक लगभग 30 साल की नाटी कद की सावली महिला राजीव गांधी की तरफ चंदन की माला लेकर बढ़ती है। हाथ में माला और चेहरे पर मुस्कान लेकर महिला राजीव गांधी के पैर छूने के लिए नीचे झुकती है और एक जोरदार धमाका होता है। एक पल में रैली का शोर संनाटे में बदल जाता है और चंद सेकेंडो के बाद चीखों का हाहाकार मच जाता हैं। धमाका इतना जबरदस्त था कि उसकी चपेट में आने वाले ज्यादातर लोगों के मौके पर ही परखच्चे उड़ गए। धमाके में जिंदा बचे लोगों की आंखें एक शख्स को ढूंढ रही थी वो थे भारत के प्रधानमंत्री राजीव गांधी.... लेकिन इन आखों को कुछ नहीं मिला। राजीव गांधी सबकी आंखों से ओझल हो गये थे। धमाके से मची अफरा-तफरी के बीच राजीव गांधी का तलाश शुरू हुई तब देखा गया की राजीव गांधी का शरीर पीठ के बल जमीन पर पड़ा था। जी हां केवल शरीर जमीन पर पड़ा था राजीव गांधी का सिर धमाके में फट चुका था। मौजूद पत्रकारों के अनुसार राजीव गांधी के शरीर की पहचान उनके हाथ में पहनी हुई घड़ी से की गई। जॉर्ज 10 जनपथ घर के अंदर की तरफ मैडम, मैडम चिल्लाते हुए भागे. उन्होंने काँपती हुई आवाज में कहा 'मैडम चेन्नई में एक बम हमला हुआ है।' सोनिया जी ने उनकी आँखों में देखते हुए छूटते ही पूछा, 'इज ही अलाइव?' जॉर्ज की चुप्पी ने सोनिया को सब कुछ बता दिया। रशीद बताते हैं- 'इसके बाद सोनिया जी पर बदहवासी का दौरा पड़ा और 10 जनपथ की दीवारों ने पहली बार सोनिया को चीखघ् कर विलाप करते सुना। वो इतनी जोर से रो रही थीं कि बाहर के गेस्ट रूम में धीरे-धीरे इकट्ठे हो रहे कांग्रेस नेताओं को वो आवाज साफ सुनाई दे रही थी. वहाँ सबसे पहले पहुंचने वालों में राज्यसभा सांसद मीम अफजल थे। इंडो-श्रीलंका शांति समझौते के लिए राजीव गांधी 30 जुलाई 1987 को श्रीलंका गये हुए थे। वहां राष्ट्रपति भवन में उन्हें गार्ड ऑफ आनर के दौरन वहां के नौ सैनिक विजिथा रोहन विजेमुनी ने उन पर बंदूक की बट से हमला किया था। राजीव गांधी सही समय पर झुक गये थे, इस लिए राइफल का उन्हें हल्का सा धक्का लग पाया था। देश राजीव गांधी की सहादत को विस्मृत नहीं कर पायेगा।

डाकिया ही चल बसा शहर ढूँढ़ते-ढूँढ़ते

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

दूर के ढोल जो भी बजाता है बड़ी तबीयत से बजाता है। इसीलिए तो सुहावने लगते हैं। इसी मुहावरे के लालच में आए दिन हर कोई घर-जमीन गांव सब छोड़-छाड़ कर या बेच-बांचकर शहर की ओर कदम बढ़ाता है। पता नहीं शहर में ऐसा कौन सा चुंबक होता है जो लोहे के बदले इंसान को अपनी ओर खींचता है। शहर की चमचमाती सड़कों को देख चमचमाने का कीड़ा बड़ा उछल-कूद करता है। छोटे-छोटे गांवों में शहरी लालच की बड़ी अट्टालिका का निर्माण बिना ईंट, सीमेंट, रेत और पानी के हो जाता है। वह क्या है न कि सच्चाई का डाकिया शहर में झूठ का पता कभी नहीं ढूँढ सकता। फिर एक दिन इसके-उसके मुँह हमें एक ही बात सुनने को मिलती है- डाकिया ही चल बसा शहर ढूँढ़ते-ढूँढ़ते। सच कहें तो शहर कुछ लोगों को शह देता है तो कुछ लोगों को हर लेता है। हमारे गांव में फलां पिछड़ा बाबू रहा करते थे। आजकल शहर में विकास बाबू बनकर हमारे बीच धाक जमा रहे हैं। उन्हीं का नाम ले लेकर गांव में कइयों का जीना हराम हो गया है। मैंने निर्णय किया कि विकास बाबू के यहां जाकर दो-चार दिन ठहरूँगा और अपनी योग्य कोई नौकरी तलाश करूँगा। किंतु जैसे ही मैं शहर पहुंचा वहां विकास बाबू को देखकर मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। गांव में खुद को सॉफ्टवेयर कंपनी का कर्मचारी बताने वाले विकास बाबू के कर्म और आचार में बड़ा अंतर दिखाई दिया। वे सॉफ्टवेयर कंपनी में नहीं किसी अपार्टमेंट के वॉचमैन की नौकरी करते थे। पूछने पर बताया कि गांव में खुद की जमीन जायदाद होने के बावजूद वह सम्मान नहीं मिल पा रहा था जो सम्मान शहर में आकर झूठ बोलकर मिल रहा है। आज मेरी झूठमूठ की सॉफ्टवेयर की नौकरी से सचमुच की खूबसूरत अप्सरा जैसी पत्नी, लाखों का दहेज, चार चक्का गाड़ी और ऊपर से इज्जत अलग मिल रही है। मैंने पूछा कि क्या तुम्हें झूठ के पर्दाफाश होने का डर नहीं है? इस पर उन्होंने किसी दार्शनिक की तरह जवाब दिया - कैसा झूठ? कहां का झूठ? यहाँ हर कोई झूठ में जी रहा है। गांव की सच्चाई छोड़ लोग शहर के झूठ की ओर दौड़ रहे हैं। शहर में रहने वाले अपनी सच्चाई छोड़कर महानगरों की झूठी चकाचौंध के पीछे-पीछे दौड़े जा रहे हैं। महानगर में रहने वाले अमेरिका, इंग्लैंड की झूठी दुनिया में जाना चाहते हैं। और वहां रहने वाले चंद्रमा की झूठी दुनिया में घूमना चाहते हैं। यह दुनिया बड़ी अजीब है। सच को लतियाती और झूठ को पुचकारती है। सच्ची दुनिया में झूठे लोग रह सकते हैं लेकिन झूठी दुनिया में सच्चे लोग कतई नहीं रह सकते। यह दुनिया झूठ बोलने वालों को सिर पर और सच बोलने वालों को पैरों तले रखती है। वॉचमैन की नौकरी करने वाले विकास बाबू सच में सॉफ्टवेयर कर्मचारी थे। उन्होंने दुनिया की सच्चाई को बड़े ही सॉफ्ट ढंग से मेरे बदन के हार्डवेयर में उतार दिया था।

बरसात

उमड़- घुमड़ कर बादल आये,
काले - काले बादल छाये।
कड़-कड़ बिजली कड़कने लगी,
धरती मानो फड़कने लगी,
पक्षी दुबक गए घोंसलों में,
जान आयी नयी कोंपलों में,
जामुनी से बादल गहराये,
काले - काले बादल छाये।
बादल लगे काली कमली सा ,
बगुलों की कतार रूपहली सा,
ठंडी - ठंडी बहे पुरवाई ,
खेतों में फसले लहराई,
उदास मन को बादल भाये,
काले - काले बादल छाये।
तालाब में बर्षा की बूंदें गिरे,
हर कली, फूल, पत्ती खिले,
आम, लिची से बागीचे महके,
डाली - डाली चिड़िया चहके,
रुप बदल-बदल बादल आये,
काले - काले बादल छाये।

नूर फातिमा खातून नूरी (शिक्षिका)
जिला-कुशीनगर

क्यों करनी है कल की चिंता

क्यों करनी है कल की चिंता
कल को छोड़ें काल पर?
आज मिला है ऐसा मौका
जीवन जी लें ताल पर।।
हाँ बेसक बाहर खतरा है
पर मन में खतरा क्यूँ पालें ?
अपने दुःख से अपने परिजनों को
और दुःख में क्यों डालें ??
स्वासों का तो काम है चलना
ऊपर नीचे होने का काम।
चलता रहे जो अपने अंदर
फिर क्यों तब हम करें विश्राम??
क्यों सोंचें तोड़ने चाँद तारे को
जो पहुच से काफी दूर ?
हमें खुसी बस दीपक रोशनी की
जो अंधकार को करता दूर।।
कल की चिंता करते करते
अपने आज को क्यों करना खराब।
हँसी खुसी में आज निकल जाए
इससे अच्छा क्या हो आज।।
कल की बातें कल सोचेंगें
तब होगी वो काल की बात।
अगर डोर बंधा रहा स्वासों का
तो काट जाएगा फिर वो काल।।
हम तो बस निमित्त मात्र हैं
डोर फँसी है किसी और के हाथ।
फिर नाहक चिंता क्यों करना
जब अपने हाथ नहीं कुछ खास।।
रंग मंच के हम कठपुतली
हमें करना बस अपना कार्य।
स्वासों के इस आवाजाही का
खेल बना रहेगा जबतक साथ।।

श्री कमलेश झा
नगरपारा भागालपुर

ब्लैक फंगस की चिंता

कोरोना से उबरे कई लोगों को एक बहुत गंभीर बीमारी ब्लैक फंगस होने की खबरें देश के कई राज्यों से आ रही हैं। यह फंगस या फफूंद प्रकृति में काफी पाया जाता है, लेकिन यह बीमारी बहुत आम नहीं है, क्योंकि इसकी प्रवृत्ति ज्यादा संक्रामक नहीं है। पर अगर हो जाए, तो इसका इलाज बहुत आसान नहीं होता और बिना इलाज के यह संक्रमण घातक हो सकता है। भारत में स्वास्थ्य सुविधाएं पहले ही कोरोना के बोझ तले चरमराई हुई हैं, ऐसे में यह एक अतिरिक्त बोझ है। हम कह सकते हैं कि देश की चरमराई हुई स्वास्थ्य सेवाओं की वजह से यह नई मुसीबत आई है। यह संक्रमण आम तौर पर उन लोगों को होता है, जिनका प्रतिरोधक तंत्र किसी वजह से कमजोर हो। डायबिटीज के मरीज भी इसके शिकार हो सकते हैं, क्योंकि उनका शरीर भी नए संक्रमणों का मुकाबला करने में अपेक्षाकृत कमजोर साबित होता है। हालांकि, अभी इस संक्रमण के फैलने की वजह यह दिखाई देती है कि कोरोना के इलाज में शरीर के रोग प्रतिरोधक तंत्र को कमजोर करने वाली कॉर्टिकोस्टेराइड या कुछ अन्य दवाएं दी जा रही हैं। कोरोना के इलाज में कुछ हद तक ये ही दवाएं कारगर साबित हुई हैं। कोरोना की अपेक्षाकृत गंभीर स्थिति में वायरस के खिलाफ रोग प्रतिरोधक तंत्र की प्रतिक्रिया ज्यादा उग्र होती है, जिससे वायरस के साथ-साथ शरीर की अपनी कोशिकाएं भी नष्ट होने लगती हैं। रोग प्रतिरोधक तंत्र को दबाने वाली दवाएं इस प्रतिक्रिया की उग्रता कम करके नुकसान व पीड़ा कम करती हैं। जाहिर है, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करने के अपने खतरे हैं और उनके गंभीर दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। इसीलिए इन्हें किसी डॉक्टर की लगातार निगरानी में सावधानी के साथ लिया जाना चाहिए और जैसे ही उनकी जरूरत खत्म हो, उन्हें बंद कर दिया जाना चाहिए। कोरोना में तो अपेक्षाकृत गंभीर मरीजों को ही ये दवाएं दी जानी चाहिए, नब्बे प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को इनकी जरूरत नहीं होती। हमारे देश में हुआ यह है कि कोरोना विस्फोट के चलते बड़ी तादाद में मरीजों को डॉक्टरों की निगरानी नहीं मिल पाई। ऐसे में, लोग एक-दूसरे की देखा-देखी या सोशल मीडिया पर प्रचारित नुस्खों को देखकर दवाएं लेने लगे। सोशल मीडिया पर यह प्रचारित हो गया कि कॉर्टिकोस्टेराइड डेक्सामेथासॉन कोरोना की सस्ती व कारगर दवा है, और लोग अपने मन से इसे लेने लगे। डॉक्टर भी काम के बोझ के नीचे ऐसे दबे हुए हैं कि एक-एक मरीज पर व्यक्तिगत ध्यान देना या उनकी निगरानी करना उनके लिए नामुमकिन है। वे भी कई बार यह ध्यान नहीं दे पाए कि किस मरीज को इन दवाओं की कितनी जरूरत है और किसे बिल्कुल नहीं। ऐसे में, ब्लैक फंगस जैसे संक्रमण के फैलने के लिए उर्वर जमीन पैदा हो गई।

संजीवनी

मीठी धुन सुना गया कोई बाद मुद्दतों के रुला गया कोई ।।
एक सुहानी दर्दीली आवाज़ थी
आज फिर से रुला गया कोई।।
मेरी आंखों में जो देखे थे सपने कभी
देकर वह सपने सुला गया कोई ।।
ढूंढता हूं मैं आज तक हर पल
मां का आंचल छुपा गया कोई ।।
सुना है सपने सच नहीं होते लोरी में सच सजा गया कोई।।
मां तेरा स्पर्श कैसे भूलूं
तेरा आंचल ओढ़ गया कोई गया कोई ।।
था तेरा हाथ हाथों पर मेरे
मुझको चलना सिखा गया कोई ।।
आज तक देखा नहीं मां जैसा कोई
नन्हा सा शिशु बना गया कोई।।

संजीव ठाकुर, रायपुर

माता-पिता के साथ अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने कोविड स्टाफ को बांटा राशन

कोरोना वायरस पैनडेमिक में कई बॉलीवुड सितारे सोशल मीडिया के जरिए लोगों की मदद करने में जुटे हैं। वहीं, कुछ ग्राउंड जीरो पर जाकर इस महामारी से लड़ने की मदद में अपना योगदान देने में जुटे हैं। अब अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा की ऐसी ही एक तस्वीर सामने आयी है, जिसमें वो अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ कोरोना फ्रंटलाइन वॉरियर्स को राशन बांटती दिख रही हैं।

इस तस्वीर को टिस्का ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट से शेयर किया है। तस्वीर में देखा जा सकता है कि चावल की बोरियों से लदी गाड़ी में से टिस्का और उनके माता-पिता खुद चावल के कट्टे निकाल रहे हैं। टिस्का की यह तस्वीर फरीदाबाद की है। उन्होंने इस फोटो के साथ कैप्शन लिखा है-

माता-पिता के साथ सेक्टर 15 के गुरुद्वारे पर। मुझे माता-पिता पर गर्व है, जिन्होंने इस उम्र में भी अस्पतालों के कोविड स्टाफ की मदद के लिए चावल के बैग्स उठाने में कोई हिचक नहीं दिखायी।

टिस्का की इस तस्वीर पर कई लोगों ने कमेंट करके उनके माता-पिता के जज्बे की तारीफ की है। टिस्का इन दिनों एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज रामयुग में राम की सौतेली मां कैकेयी के किरदार में नजर आ रही हैं। इस सीरीज का निर्देशन कुणाल कोहली ने किया है। टिस्का एक्टिंग के साथ शॉर्ट फिल्मों का निर्माण और निर्देशन भी कर रही हैं। उन्होंने तीन शॉर्ट फिल्में चटनी, चूड़ी और रूबरू बनायी हैं, जिनमें चटनी काफी चर्चित अवॉर्ड विनिंग रही थी। टिस्का आखिरी बार बड़े पर्दे पर अक्षय कुमार की फिल्म गुड न्यूज में नजर आयी थीं। कोरोना वायरस पैनडेमिक में बहुत से सेलेब्रिटी निजी तौर पर अपने एकाउंट्स से कोरोना पीड़ितों की मदद में जुटे हैं। सोनू सूद तो काफी पहले से लोगों की मदद कर रहे हैं। अब भूमि पेडनेकर का सोशल मीडिया एकाउंट भी मदद की गुहारों से भरा रहता है।

भूमि के एकाउंट से लगातार लोगों की जरूरतों को एम्प्लीफाई करने के साथ उन्हें संसाधनों से जोड़ा जा रहा है। जॉन अब्राहम, फरहान अख़्तर, तापसी पन्नू, स्वरा भास्कर, टिवंकल खन्ना, सोनम कपूर, करीना कपूर खान समेत कई सेलेब्स कोविड-19 से संबंधित जानकारियों और मदद की अपीलों को लगातार एम्प्लीफाई कर रहे हैं।

खुशी कपूर ने फोन के वॉलपेपर पर लगाई है किसी खास की तस्वीर

बोनी कपूर और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। खुशी की फैन फॉलोइंग किसी स्टार से कम नहीं है। उन्होंने अभी तक बॉलीवुड में कदम भी नहीं रखा है और उनको फैन फॉलोइंग किसी स्टार से कम नहीं है। खुशी के नाम के सोशल मीडिया पर कई फैन पेज बने हुए हैं। मंगलवार को खुशी अपने घर के बाहर स्पॉट हुई थीं। तस्वीरों में खुशी के फोन की लॉक स्क्रीन ने सभी का दिल जीत लिया है।खुशी कपूर तस्वीरों में ब्लैक कलर के आउटफिट में नजर आ रही थीं इसके साथ ही उन्होंने पिंक कलर का मास्क लगाया हुआ है। खुशी ने पैपराजी के लिए पोज भी दिया था। इस दौरान उनके फोन के वॉलपेपर की तस्वीर क्लिक हो गई जो वायरल हो गई है।खुशी के फोन के वॉलपेपर पर उनकी मां श्रीदेवी के साथ बचपन की तस्वीर लगी हुई है। ये क्यूट फोटो देखकर फैंस इमोशनल हो गए हैं। खुशी ये फोटो सोशल मीडिया पर पहले शेयर कर चुकी हैं। फोटो में छोटी खुशी मां श्रीदेवी के कंधों पर बैठी हुई हैं। एक यूजर ने कमेंट किया- मां तो मां ही होती है। वह भी आपको मिस कर रही होंगी।

सुपरस्टार हैं जूनियर एनटीआर शादी को लेकर मच गया था बड़ा बवाल

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर को कौन नहीं जानता। जूनियर एनटीआर ने साल 1996 में तेलुगू फिल्म रामायणम से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरूआत की थी। इस फिल्म को बेस्ट चिल्ड्रन्स फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला था। इसके बाद साल 1996 में फिल्म उन्होंने बतौर हीरो एंट्री मारी।

पहली फिल्म के बाद जूनियर एनटीआर ने फिर ब्रेक लेकर साल 2001 में फिल्म स्टूडेंट नंबर 1 से वापसी की। इसी साल उनकी 2 और फिल्में सुब्बू और आदि रिलीज हुई। फिर तो उनका करियर बस तेजी से दौड़ता गया। जूनियर एनटीआर ने एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं और आज वह सबके दिलों पर राज करते हैं। उनकी प्रोफेशनल लाइफ के बारे में तो कई लोग जानते हैं, लेकिन पर्सनल लाइफ के बारे में कम ही लोग वाकिफ हैं।

बता दें कि जूनियर एनटीआर ने लक्ष्मी प्रनथी से शादी की। दोनों टॉलीवुड के बेस्ट कपल्स में से एक हैं। जूनियर एनटीआर और लक्ष्मी ने साल 2011 में शादी की थी। दोनों की शादी पर काफी बवाल मचा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक जब दोनों की शादी होने वाली थी तब एक वकील ने एक्टर के खिलाफ चाइल्ड मैरिज एक्ट का मुकदमा दर्ज किया था कि लक्ष्मी 18 साल से छोटी हैं। लेकिन एक्टर ने लक्ष्मी के 18 साल पूरे होने पर शादी की थी।

10 हजार लोग हुए थे शामिल

दोनों की शादी काफी ग्रैंड हुई थी। शादी में 10 हजार मेहमान शामिल हुए थे जिसमें एक्टर्स से लेकर मंत्री तक शामिल थे। इतना ही नहीं, रिपोर्ट के मुताबिक उस वक्त ये भी खबर आई थी कि जूनियर एनटीआर की शादी में उनके पिता ने 18 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

जूनियर एनटीआर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि शुरूआत में लक्ष्मी को एडजस्ट करने में दिक्कत हुई थी। लेकिन बाद में उन्होंने सब संभाल लिया था। इतना ही नहीं, प्रभास ने ये भी बताया था कि लक्ष्मी उन्हें काफी मोटिवेट करती हैं।

बिग बॉस तेलुगू से बनाया रिकॉर्ड

जूनियर एनटीआर ने तेलुगू का बिग बॉस शो भी होस्ट किया है और साल 2017 में ये शो सबसे ज्यादा हिट हुआ था जिसका पूरा क्रेडिट एक्टर को मिला था। जूनियर एनटीआर को अब तक फिल्मफेयर बेस्ट तेलुगू अवॉर्ड, नंदी अवॉर्ड, आईफा जैसे बड़े अवॉर्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है। अब वह फिल्म आरआरआर में नजर आने वाले हैं। एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के अलावा आलिया भट्ट, अजय देवगन, राम चरण लीड रोल में हैं। इस फिल्म को लेकर काफी समय से बज है और फैंस इसे थिएटर में देखने के लिए एक्साइटेड हैं।

नीना गुप्ता ने बयां किया सालों पहले तक बिना पार्टनर के अकेले रहने का एक्सपीरियंस

नीना गुप्ताअपने बोल्ड अंदाज के लिए जानी जाती हैं। इसके अलावा वह किसी भी मुद्दे पर बात करने से नहीं कतराती हैं। हाल ही में नीना की फिल्म सरदार का ग्रैंडसन रिलीज हुई है। फिल्म में नीना के अलावा अर्जुन कपूर रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में हैं। अब हाल ही में नीना ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू में अपने उन दिनों के बारे में बताया जब उन्होंने अकेले जिंदगी के कुछ पल जिए।

नीना ने बताया कि उन्होंने जिंदगी में काफी समय अकेले बिताया। नीना ने कहा, ऐसा बहुत समय तक रहा क्योंकि मेरा कोई बॉयफ्रेंड नहीं था और ना ही मेरा पति था। मेरे पिता ही मेरे बॉयफ्रेंड थे। वो हमारे घर के मर्द थे।

नीना ने आगे कहा, मुझे अकेलापन लगता था, लेकिन भगवान ने मुझे ताकत दी थी कि मैं आगे बढ़ती जाऊं। मैं पास्ट में फंसती नहीं रही।

वहीं कुछ दिनों पहले फिल्मी कम्पैनियन को दिए इंटरव्यू में नीना ने कहा था कि पिछले लॉकडाउन ही नीना और उनके पति विवेक पहली बार पति-पत्नी की तरह रहे थे। नीना ने कहा था, मेरे पति दिल्ली में रहते हैं और मैं मुंबई में। तो असल में हम पहली बार पति-पत्नी की तरह लॉकडाउन में ही रहे। पहली बार उन्होंने मेरे बारे में जाना और मैंने उनके बारे में।

पति से की साइन भाषा में बात

नीना ने ये भी बताया था कि साथ में रहकर दोनों कई बार साइन भाषा में बात करते थे यानी कि इशारों में क्योंकि विवेक कॉल पर काम को लेकर बिजी रहते थे। नीना ने कहा कि उन्होंने एक पत्नी के तौर पर अच्छी सीख सीखी है और वो ये अपनी खुद की जिंदगी जीनी।

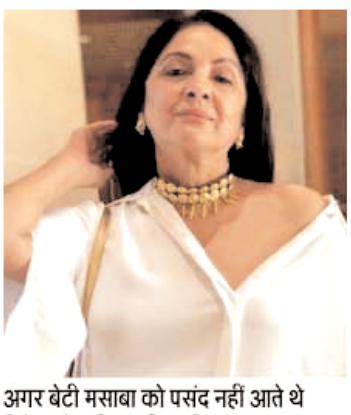

अगर बेटी मसाबा को पसंद नहीं आते थे विवेक तो नहीं करती शादी

नीना और विवेक ने साल 2008 में शादी की थी। नीना ने एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर मसाबा को विवेद पसंद नहीं आते या उन्हें लगता कि विवेक आगे मसाबा को पसंद नहीं करेंगे तो वह फिर विवेक से शादी नहीं करतीं। नीना ने कहा था, अगर मेरे पति मसाबा को पसंद नहीं करते या उनके मसाबा के साथ बॉन्ड नहीं होता तो मैं उनसे शादी नहीं करती। फिर चाहे मैं कितना भी उन्हें प्यार क्यों न करती। मैं किसी भी ऐसे शख्स के साथ रिलेशन में नहीं रहती जिसे मेरी बेटी पसंद ना हो। ये बहुत ही जरूरी है कि उसे भी वह वह शख्स पसंद हो जिसके साथ मैं हूं।

सलमान खान की फिल्म राधे को 50 रुपये में बेच रहा था ये शख्स, एफआईआर हुई दर्ज

सलमान खान की फिल्म राधे यॉर मोस्ट वॉन्टेड भाई ईद के मौके पर रिलीज हो चुकी है। लॉकडाउन के चलते इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ कुछ सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है जो इस समय खुले हुए हैं। इस फिल्म को जी प्ले पर प्ले प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया है। इसे देखने के लिए आपको 249 रुपये खर्च करने होंगे। लाखों लोग इस फिल्म को लीगल तरीके से देख चुके हैं लेकिन फिर भी यह फिल्म पाइरेसी की शिकार हो गई है।

सलमान खान ने अपने फैंस से वीडियो शेयर करके पाइरेसी से दूर रहने के लिए कहा था लेकिन अभी भी कुछ लोग इस बात को मान नहीं रहे हैं। सलमान खान के पोस्ट के बाद जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइज ने मुंबई साइबर सेल में फिल्म की पाइरेसी को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। साइबर सेल ने जांच करना शुरू कर दिया था। उन्होंने एक फेसबुक यूजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

यह फेसबुक यूजर इलीगल तरीके से फिल्म डाउनलोड करके पाइरेटिड वर्जन 50 रुपये में व्हाट्सएप पर बेचता था। रिपोर्ट के मुताबिक सलमान खान फिल्म्स की मार्केटिंग हेड अपर्णा देसाई ने बताया था कि राधे इलीगल तरीके से व्हाट्सएप पर पांच भागों में मिल रही है। इसके बाद जी ने एंटी पाइरेसी एजेंसी एपिक्स सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटिड को कॉन्टैक्ट किया जिनसे पाइरेटिड वीडियो को मैसेंजर से हटाने के लिए कहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक अश्विनी राघव नाम के एक फेसबुक यूजर ने पोस्ट किया था कि वह फिल्म राधे 50 रुपये में व्हाट्सएप पर बेच रहा है। इस पोस्ट को वैरिफाइ करने के लिए जी डिस्ट्रिब्यूशन टीम ने उस व्यक्ति को पकड़ने के लिए यूजर ने फिल्म की मांग की। अश्विनी ने उनसे 50 रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा। जब उन्होंने पैसे ट्रांसफर कर दिए तो यूजर ने उन्हें राधे का पाइरेटिड वर्जन भेजा था। दूसरी रिपोर्ट के मुताबिक अश्विनी के साथ दो और लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है।

पहले दिन 100 करोड़ की कमाई

सलमान की फिल्म राधे ने पहले ही दिन ओटीटी पर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस किया है। जिसके बाद सलमान खान एक बार फिर कोरोना काल में भी फिल्म इंडस्ट्री के ट्रेड सेंटर बन गए हैं। उनका हाइब्रिड रिलीज करने का फॉर्मूला कामयाब हो गया है। जिसके बाद अब ये माना जा रहा है कि अगर थिएटर्स नहीं भी खुले तो जल्दी ही दूसरी फिल्में भी ऐसे ही रिलीज कर दी जाएंगी। राधे में सलमान खान के साथ दिशा पाटनी, जैकी श्रॉफ और रणदीप हुड्डा लीड रोल में नजर आए हैं। इस फिल्म को प्रभु देवा ने डायरेक्ट किया है।

तान्हाजी फेम एक्ट्रेस ने फैंस के दिलों को किया घायल

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा शर्मा को फैंस तान्हाजी, क्रूक जैसी कई फिल्मों में फैंस देख चुके हैं। नेहा अपनी भोली सी सूरत से फैंस का दिल जीत लेती हैं। नेहा के फैंस उनके दीवाने हैं। ऐसे में नेहा भी आए दिन फैंस के सामने ग्लैमरस अदाएं दिखाती रहती हैं। हाल ही में नेहा ने अपने बोल्ड अंदाज से फैंस को हैरान किया है।

नेहा ने सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं बल्कि साउथ इंडस्ट्री में काम किया है। नेहा शर्मा भागलपुर के कांग्रेस के विधायक अजीत शर्मा की बेटी हैं। लेकिन नेहा ने खुद की अब बॉलीवुड में एक खास पहचान बना ली है। नेहा शर्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। नेहा आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड फोटोज से आग लगाती रहती हैं। नेहा का इंस्टाग्राम उनकी बोल्ड और बिकिनी लुक की फोटोज से भरा पड़ा है। फैंस को भी एक्ट्रेस का ये लुक काफी पसंद आता है।

ऐसे में हाल ही में नेहा ने एक बार फिर से अपने हॉट अंदाज का जलवा सोशल मीडिया पर बिखेरा है। नेहा ने अपनी कुछ बिकिनी की फोटोज फिर से शेयर की हैं। इन फोटोज में एक्ट्रेस ने बिकिनी के ऊपर सर्ग पहना हुआ है। फोटोज में वह अलग अलग स्टाइल में पोज देती दिख रही हैं।

इन फोटोज के साथ ही एक्ट्रेस ने एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वह ब्लैक कॉफी का मजा लेती दिख रही हैं। इन फोटोज और वीडियो के जरिए एक्ट्रेस ने साफ कर दिया है कि ये उनका थ्रोबैक अंदाज है। एक्ट्रेस की ये फोटोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं।

नेहा के करियर की बात करें तो उन्होंने बॉलीवुड में मोहित सुरी की फिल्म क्रूक से कदम रखा था। इसके बाद वह फिल्म तेरी मेरी कहानी, क्या सुपर कूल हैं हम, यमला पगला दीवाना, यंगिस्तान, कीर्ति, तुम बिन 2 तान्हाजी जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

राम भक्त झूठ नहीं बोलते हैं कंगना ने रिपोर्ट मांगने वालों को दिया करार जवाब

कंगना रनौत फैंस के बीच अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। कंगना अपनी कोई भी बात रखने से कभी पीछे नहीं हटती हैं। यही कारण है कि अब वह आए दिन सोशल मीडिया पर ट्रोल होती रहती हैं। लेकिन एक्ट्रेस को ट्रोलिंग से कोई डर नहीं लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने फैंस को इस बात की जानकारी दी थी कि उनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव हो गई है। लेकिन अब कंगना ने फिर से एक स्टेटमेंट जारी किया है, जो सुर्खियों में आ गया है।

कंगना ने 18 मई को कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आने की जानकारी दी थी और इंस्टाग्राम पर इससे जुड़ा एक वीडियो भी शेयर किया था। जिसके बाद कई लोगों ने एक्ट्रेस को ट्रोल करने की कोशिश की और उनसे कोरोना रिपोर्ट मांगी। उनका कहना था कि कंगना झूठ बोल रही हैं। इस पर कंगना ने अब सबकी बोलती बंद कर दी है।

कंगना ने दिया मुंह तोड़ जवाब

कंगना को यूजर्स जमकर ट्रोल करने की कोशिश करते रहते हैं। कंगना ने कुछ दिनों पहले बताया था कि उनको कोरोना हो गया और फिर मंगलवार को एक्ट्रेस ने जानकारी दी कि वह कोरोना फ्री हो गई हैं, जिसके बाद उनको आड़े हाथों लेने की कोशिश की गई जिसका एक्ट्रेस ने करारा जवाब दिया है।

सभी को जवाब देते हुए अब कंगना ने अपनी रिपोर्ट का फोटो क्लिक करके इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। कंगना ने अपनी स्टोरी पर रिपोर्ट शेयर की है और उसके ऊपर लिखा है कि सभी राक्षस जो मेरी रिपोर्ट मांग रहे थे, क्योंकि वे जैसे हैं, उन्हें दुनिया वैसी ही दिखती है, उनके लिए ये रही रिपोर्ट एक राम भक्त कभी झूठ नहीं बोलता श्री राम।

कंगना का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक बार फिर से कंगना ने विवाद खड़ा कर दिया है और बता दिया है कि वह किसी से भी नहीं डरती हैं।

कंगना ने पोस्ट किया था वीडियो

8 मई को कंगना ने फैंस को जानकारी दी थी कि उनको कोरोना हो गया है। इसके बाद ठीक 10 दिन बाद यानि 18 मई को कंगना ने अपने कोरोना नेगेटिव होने की खबर दी है। एक्ट्रेस ने जानकारी देते हुए बताया कि मेरी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आ गई है। मैं आपके से कुखकहना चाहती हूं, कैसे मैंने इस वायरस को हराया है। मुझे कहा गया है कि मैं इस वायरस के फैन क्लब को ऑफिड ना करूं। हां, ये सच है कि अगर कोरोना के लिए कुछ कहा जाए तो बहुत सारे लोग नाराज हो जाते हैं। सभी चाहने वालों और शुभचिंतको को थैंक्यू और प्यार।

जब हवा हवाई गाते हुए कविता कृष्णमूर्ति से हो गई थी गलती

बॉलीवुड की फिल्मों में गानों का कितना महत्व होता है, ये हम सब जानते हैं। एक गाना फिल्म को सुपरहिट तक करवा देता है। कई ऐसी फिल्में हैं जिनको फैंस हमेशा उनके गानों की वजह से ही जानते हैं, फिर चाहें वो हम आपके हो, चांदनी हो या फिर विवाह हो। फिल्मों को गाने चार चांद लगाते हैं। लेकिन हर गाने के पीछे की एक कहानी होती है, जिससे फैंस हमेशा अंदाज होते हैं।

साल 1987 में आई अनिल कपूर अमरीश पुरी और श्रीदेवी की फिल्म ह्यमिस्टर इंडियाह्ल भला किसको याद नहीं होगी। इस फिल्मों को फैंस ने जितना पसंद किया था, उतने ही इस फिल्म के गानों को प्यार मिला था। इस फिल्म का गाना हवा हवाई इस कद्र फेमस हुआ था कि आज तक फैंस को पसंद है। एक्ट्रेस श्रीदेवी को फैंस मिस हवा हवाई करते हैं। लेकिन क्या आपके इस गाने के पीछे की कहानी पता है।

कविता नहीं थीं गाने के लिए पहली पसंद

मिस्टर इंडिया फिल्म को म्यूजिक लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की जोड़ी ने दिया था। जबकि हवा हवाई गाने को अपनी आवाज से कविता कृष्णमूर्ति ने सजाया था। उस वक्त ये गाना बहुत बड़ा हिट साबित हुआ था। कविता को इस गाने के लिए हमेशा सराहा जाता है। लेकिन क्या

आपको पता है कि कविता इस गाने के लिए कभी पहली पसंद नहीं थीं, इस बारे में खुद सिंगर कई बार खुलासा कर चुकी हैं।

दरअसल फिल्म के म्यूजिक कंपोजर ने रॉ गाने के तौर पर कविता से ये गाना गवाया थी, लेकिन कविता ने पूरी मेहनत से गाना गाया था। जिसका नतीजा से निकला कि जब प्यारेलाल ने कविता की आवाज में गाना सुना तो उन्हें ये बेहत ही पसंद आया और उन्होंने फिल्म में इसी गाने को वैसे का वैसा ही रख दिया था। एक बार कविता ने कहा था कि शायद से गाने उनसे पहले आशा जी से गवाया जाने वाला था।

कविता ने गलत गाया था गाना

असल में कविता ने गाने में एक जगह जानू को जीनू बोल दिया था, लेकिन गाना गाने के बाद एक बार लक्ष्मीकांत ने कविता को खुद इस बात की खुशखबरी दी थी कि उनकी आवाज में ही गाना फिल्म में रहेगा। इसके साथ ही कविता को बताया गया था वह इस गाने को एक बार फिर से गाएंगी क्योंकि उन्होंने गाना को गाते हुए एक गलती कर दी है। जी हां गाना गाते वक्त कविता एक शब्द गलत बोल रही थीं, जिसके बारे में उनका बताया गया था।

यहां सुनिए खुद कविता ने क्या था कहा

दरअसल कविता जानू को जीनू बोल दे रही थीं। गलत बोलने के बाद वह अगले ही पल वे गलती को सुधारते हुए जानू बोल देती हैं लेकिन ये गलती उनकी आज भी गाने में मौजूद है। इस फिल्म को डायरेक्ट किया था शेखर कपूर ने। जबकि इस गाने के गीत लिखे थे जावेद अख्तर ने और म्यूजिक लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने दिया था।

जनता के लिए जन कल्याणकारी कदम उठाए यूपी सरकार : प्रियंका गांधी

लखनऊ। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखकर कई सलाह दी है. उन्होंने लिखा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर ने जनसाधारण को गंभीर रूप से प्रभावित किया है. इस लहर के दौरान व्यवस्था की ढुलमुल तैयारियों के चलते जनता को असहनीय पीड़ा उठानी पड़ी. कहा जनता को बुरे हालत में छोड़ने के बजाय सरकार आगे बढ़कर कुछ जनकल्याणकारी कदम उठाए जिससे लोगों को परेशानियों से थोड़ी राहत मिल सके.उन्होंने पत्र में लिखा है कि अप्रैल-मई में मचे हाहाकार ने स्पष्ट कर दिया कि सरकार की कोई प्लानिंग नहीं थी. कई सारे अनावश्यक नियम और लालफीताशाही लोगों के लिए मुश्किलों का पहाड़ लेकर आये. महामारी ने जहां एक तरफ हजारों-लाखों लोगों को हमसे छीना, प्रियंका गांधी ने आगे लिखा कि दूसरी तरफ रोजी-रोजगार, व्यापार और काम-धंधे के सामने भारी मुश्किलें पैदा कर दी हैं. ईमानदारी और मेहनत से खाने-कमाने वाले लोगों को इन मुश्किल हालातों में उनके हाल पर छोड़ देने की बजाय आज जरूरत है कि आपकी सरकार आगे बढ़कर कुछ जनकल्याणकारी कदम उठाए जिससे लोगों को परेशानियों से थोड़ी राहत मिल सके.

कांग्रेस महासचिव ने लिखा कि महामारी में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा निजी क्षेत्र अस्पतालों ने भी बड़ी भूमिका निभाई और कई गैर-सरकारी अस्पतालों ने जनसेवा की उम्दा और ईमानदार मिसाल पेश की है. मगर पूरे प्रदेश से निजी अस्पतालों द्वारा आम जनता से इलाज के लिए मोटी रकम वसूलने की शिकायतें भी आई हैं. अपने मरीजों के लिए परेशान लोग भारी-भरकम बिल चुकाने के लिए कर्ज ले रहे हैं और जैसे-तैसे करके पैसा जुटा रहे हैं. उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखा है कि आपसे निवेदन है कि निजी

अस्पतालों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकर इलाज के लिए सुविधा के हिसाब से उचित एवं जनहितैषी कीमतें निर्धारित की जाएं जिससे न अस्पतालों का आर्थिक नुकसान हो, और न ही आम जनता के शोषण की गुंजाइश हो. सरकार मूल्यांकन कर जिन लोगों से जरूरत से ज्यादा पैसा वसूला गया है उनको मुआवजा देने की व्यवस्था करे. उन्होंने आगे लिखा कि बढ़ती महंगाई के चलते आम लोगों के लिए दैनिक उपभोग की वस्तुएं एवं आवश्यक चीजों को खरीदना भी मुश्किल हो रहा है. खाद्य तेल, सब्जियां, फल, और घरेलू इस्तेमाल की चीजें बहुत तेजी से महंगाई की चपेट में आए हैं. प्रदेश में महंगाई पर नियंत्रण के लिए और वस्तुओं का दाम बांधने के लिए तुरंत ठोस कदम उठाए जाने चाहिए ताकि इस बंदी के समय लोगों को घर चलाने में दिक्कत न हो. उन्होंने पत्र में कहा है कि उत्तरप्रदेश की जनता बिजली के बढ़े दामों और स्मार्ट मीटरों से पहले ही बहुत त्रस्त है. संकट के इस दौर में उसे बिजली के बिलों में राहत मिलनी चाहिए लेकिन एक बार फिर यूपी में बिजली के दाम बढ़ाये जाने की खबरें आ रही हैं. कृपया बिजली के दाम में एक भी पैसे की बढ़ोत्तरी न करें. प्रियंका गांधी ने पत्र में लिखा है कि सूबे के स्कूल बंद हैं किंतु अभिवावकों पर स्कूलों में हर महीने फीस जमा करने का दबाव है. स्कूलों के सामने भी अपने शिक्षकों को वेतन देने इत्यादि का संकट है. प्रदेश सरकार को स्कूलों के प्रतिनिधियों एवं अभिवावकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकर एक खाका तैयार कर फीस में छूट देने एवं स्कूलों को आर्थिक मदद का पैकेज देने की एक व्यवस्था बनानी चाहिए. पत्र में लिखा है कि बंदी की मार झेल रहे प्रदेश के व्यापारी एवं दुकानदार साथियों को राहत देने के लिए एक खाका तैयार किया जाए.

एमपी में जनता कर्फ्यू में 31 मई तक ढील नहीं : सीएम शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए 31 मई तक जनता कर्फ्यू जारी रहेगा. इसके बाद ही ढील मिलना संभव है. यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उज्जैन संभाग के सभी जिलों एवं तहसील स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कही. चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश में हम कोरोना से जंग जीतने के निर्णायक दौर में पहुंच गये हैं. प्रदेश में पॉजीटिविटी दर लगातार कम होती जा रही है. रिकवरी रेट बढ़ रहा है. ऑक्सीजन बेड, आईसीयू बेड, रेमडेसिविर इंजेक्शन की पर्याप्त व्यवस्था है. ब्लैक फंगस का इलाज भी निशुल्क किया जाएगा. मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से कहा कि आने वाला समय कोरोना से जंग करने में निर्णायक साबित होगा. इसलिये आगामी 10 से 12 दिन तक जनता कर्फ्यू का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये. 31 मई तक जनता कर्फ्यू में कोई ढील नहीं दी जाए.

सीएम शिवराज ने कहा कि हर जिले में एक-एक पोस्ट कोविड केयर सेन्टर बनाया जाएगा. वर्तमान समय में कोरोना संक्रमण के बाद ब्लैक फंगस और खून के थक्के जमने के कई प्रकरण सामने आये हैं. हमें अब इस नये संकट से भी लड़ाई लड़नी है. मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के कलेक्टर्स एवं क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से कहा कि वे कोरोना संक्रमण में अपने माता-पिता खो चुके अनाथ बच्चों की सूची बनायें और उन्हें भिजवायें, ताकि ऐसे बच्चों को हर महीने पांच हजार रुपये की राशि दी

जा सके. इन बच्चों के लिये निशुल्क राशन एवं निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था शासन द्वारा की जायेगी. ब्लैक फंगस के उपचार के लिए बनेगी टॉस्क फोर्स मध्य प्रदेश में ब्लैक फंगस म्यूकॉरमाइकोसिस के उपचार संबंधी व्यवस्थाओं के लिये एक डेडिकेटेड टॉस्क फोर्स बनाई जाएगी. इस टॉस्क फोर्स को बनाए जाने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश भी जारी कर दिए हैं. सीएम ने अधिकारियों के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग में कहा कि प्रदेश में ब्लैक फंगस म्यूकॉरमाइकोसिस की प्राथमिक अवस्था में ही पहचान कर हर मरीज का उपचार करें. इस कार्य को जन-आंदोलन का रूप दिया जाए तथा हर जिले में इसकी जाँच की व्यवस्था हो. इस कार्य में निजी चिकित्सकों का भी पूरा सहयोग लिया जाए. ब्लैक फंगस के लिए जो टॉस्क फोर्स बनाई जाएगी उसमें स्वास्थ्य मंत्री, चिकित्सा शिक्षा मंत्री, संबंधित विभागों के ए.सी.एस. और पी.एस., ईएनटी विशेषज्ञ, डॉ. एस.पी. दुबे, डॉ. लोकेन्द्र दवे तथा अन्य एक्सपर्ट रहेंगे. मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में पांच मेडिकल कॉलेज इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर तथा रीवा में इसका निशुल्क उपचार किया जा रहा है. इसके उपचार के लिए निजी अस्पताल को भी चिन्हित किए जाएगा, जहाँ व्यवस्थाएँ संभव हों. ज्ञात हो कि कोरोना महामारी के बीच ब्लैक फंगस नामक बीमारी ने भी दस्तक दी है. यह बीमारी उन कोरोना संक्रमित हुए मरीजों पर ज्यादा असर कर रही है जो शुगर के पहले से मरीज है. मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि ब्लैक फंगस का इलाज अत्यंत महंगा है. अतरू प्रदेश में इसके निशुल्क इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी.

मस्जिद ध्वस्तीकरण प्रकरण : रामसनेहीघाट जा रहे कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को प्रशासन ने लौटाया

बाराबंकी। बाराबंकी के रामसनेहीघाट क्षेत्र में प्रशासन द्वारा एक मस्जिद ढहाए जाने के मामले में बृहस्पतिवार को मौके का मुआयना करने जा रहे कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल को जिला प्रशासन ने रास्ते में रोक दिया। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने भाषा को बताया कि उनकी अगुवाई में पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल रामसनेहीघाट जाकर मौका मुआयना करके स्थानीय लोगों से बातचीत कर वस्तुस्थिति की जानकारी लेना चाहता था मगर रास्ते में ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। बाद में सभी नेताओं को वापस लौटा दिया गया। लल्लू ने बताया कि उन्होंने रास्ता रोकने वाले अधिकारियों से जिरह की कि उच्च न्यायालय की रोक के बावजूद आखिर किस कानून के तहत 100 साल पुरानी मस्जिद को जमींदोज कर दिया गया। क्या देश में अलग-अलग कानून लागू है और क्या प्रशासन की नजर में उच्च न्यायालय के आदेश का कोई मोल नहीं है।

यूपी मौसम अपडेट : आज भी दिनभर होगी बारिश, कल से मिलेगी राहत

लखनऊ। महाराष्ट्र और गुजरात के तटीय इलाकों में तबाही मचा रहे चक्रवाती तूफान ताउते का असर बुधवार को यूपी के कई इलाकों में दिनभर रहा। प्रचंड गर्मी वाले मई में सावन के महीने का एहसास हुआ। दिनभर बारिश की फुहारें और ठंडी हवाएं चलती रहीं। शहरों का दिन का तापमान सामान्य से 11 डिग्री तक नीचे खिसक गया। आईएमडी के अनुसार अभी इसमें और गिरावट आने का आसार है क्योंकि गुरुवार को भी ताउते का असर रहेगा। मौसम में बदलाव पिछले तीन दिनों से बना हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ और ताउते तूफान के कारण आसमान में बादलों का जमावड़ा बना रहा। आद्रता बढ़ने से चिपचिपी गर्मी शुरू हो गई थी। शरीर का पसीना नहीं सूख रहा था। गुजरात व महाराष्ट्र से लगभग 1000 किलोमीटर दूर तक पहुंचने में तूफान तो कमजोर हो गया, लेकिन हवा का कम दबाव बना रहा। बुधवार को सुबह से बारिश शुरू हुई तो दिनभर चलती ही रही। कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश से पारा लुढ़क गया। इससे लोगों को अपने घरों में एसी, कूलर व पंखा तक बंद करना पड़ गया।

24 घंटे में 22.2 मिली मीटर बारिश हुई-मौसम विभाग के अनुसार बीते लखनऊ में 24 घंटे में कुल 22.2 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई है। सुबह के वक्त काफी तेज बारिश हुई है। इसमें सुबह 8.30 बजे तक 13 मिलीमीटर हो गई थी। इसके बाद रात 8.30 बजे तक 9.2 मिली मीटर बारिश दर्ज हुई है। गुरुवार को भी दिनभर बारिश के आसार हैं। शुक्रवार को बारिश की संभावना तो नहीं है, लेकिन बादलों की आवाजाही बनी रहेगी।

पारा लुढ़का-दिनभर हुई बारिश के कारण दिन और रात का पारा लुढ़क गया। लखनऊ का सामान सामान्य से 11 डिग्री कम रिकॉर्ड हुआ है। अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। एक दिन पहले यह सामान्य से नौ डिग्री कम यानी 30.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ था। वहीं रात का तापमान भी सामान्य से तीन डिग्री कम हो गया है। न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। मंगलवार को यह 25.6 डिग्री दर्ज हुआ था। चक्रवात और पश्चिमी विक्षोभ के कारण कारण गुरुवार को भी दिनभर बारिश के आसार हैं।

शादियों के लिए जारी नई गाइडलाइन से मुश्किल

25 मेहमानों की शर्त के बाद कई ने टालीं तारीखें

गोरखपुर। शादी वाले घरों में कोरोना संक्रमण के खतरों को देखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा जारी नई गाइडलाइन के बाद शहर में 100 से अधिक शादियां टाल दी गई हैं। 25 मेहमानों की शर्त ने वर-वधू ही नहीं, मैरेज हाल संचालकों को भी मुश्किल में डाल दिया है। बुधवार को मैरेज हाल, वीडियोग्राफी, फूल डेकोरेशन और कैर्ट्स के पास शादियों को टालने को लेकर कई फोन आए। मैरेज हाल संचालकों के मुताबिक, मई के अंतिम सप्ताह और जून में होने वाली 100 से अधिक शादियां टल गई हैं।

25 लोगों के भोजन की शर्त में कैटर्स बेकार

वर-वधू पक्ष मिलाकर 25 लोगों की गाइडलाइन ने कैटर्स को भी बेकार कर दिया है। कैटर्स राजेश छापड़िया कहते हैं कि '25 लोगों के लिए कोई कैटर्स बुकिंग नहीं करेगा। कुल मिलाकर शादियों के लिए यह साल पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। 200 करोड़ की बेडिंग इंडस्ट्री चौपट हो गई है। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका में नवम्बर और दिसम्बर की शादियों पर भी ग्रहण लग गया है। मैरेज हाल संचालक नवीन श्रीवास्तव कहते हैं कि 25 लोगों की मौजूदगी में शादी संभव नहीं है।

मई के अंतिम सप्ताह में काफी शुभ मुहूर्त हैं। मई के बचे हुए दिनों में 21, 22, 23, 24, 25, 26, 28, 29 और

30 शादी का शुभ मुहूर्त है। जून में 8 शुभ दिन तो जुलाई में ?विवाह के लिए 5 शुभ दिन हैं। गोरखपुर मैरेज एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय खेमका का कहना है कि 'सरकार की नई गाइड लाइन के बाद जो लोग शादी को लेकर तैयार थे या फिर असमंजस में थे, उन्होंने शादियां टाल दी हैं। मैरेज हाल में 25 आदमियों का स्टॉफ ही हो जाता है। वर-वधू पक्ष मिलाकर न्यूनतम 50 लोग हो जाएंगे। दो परिवारों ने तो बुधवार को शादी रद्द करने की सूचना दी। गोरखपुर के 200 से अधिक मैरेज हाल में आने वाले दिनों में प्रस्तावित 100 से अधिक शादियां रद्द हो गई हैं। शहर में वीडियोग्राफी करने वाले राजकुमार श्रीवास्तव का कहना है कि अप्रैल से जुलाई के बीच होने वाली 80 फीसदी से अधिक शादियां तो पहले ही रद्द हो गई थीं। रही सही कसर सरकार की नई गाइड लाइन ने पूरी कर दी। तीन शादियां तो बुधवार को रद्द हो गईं। जो मई के अंतिम सप्ताह और जून में होने वाली थीं। वहीं फूल डेकोरेशन करने वाले पंकज सैनी का कहना है कि अब मैरेज हाल में शादियां हो नहीं रही हैं। अब या तो होटलों में शादियां होंगी या फिर घर पर। नई गाइड लाइन के बाद फूल डेकोरेशन के कोई उम्मीद नहीं बची है। आने वाले दिनों की बुकिंग रद्द हो रही है।' मऊ के रहने वाले कमलेश श्रीवास्तव ने बेटी के शादी के लिए सिविल लाइंस के एक मैरेज हाल की बुकिंग की थी। 27 मई की बुकिंग रद्द कर दी है। उनका कहना है कि कोरोना के मामलों और सरकार की गाइड लाइन को देखते हुए शादी संभव नहीं था। अब स्थिति में सुधार के बाद नई तारीख तय करेंगे।

होटलों की पूछ बढ़ी

शादियों में 25 लोगों की शर्त के बाद होटल संचालकों की कुछ हद तक पूछ बढ़ी है। लोग अब होटल में हाल की बुकिंग कर शादी की रस्म पूरा करने की तैयारी में हैं। होटल संचालक ध्रुव श्रीवास्तव का कहना है कि 25 लोगों की मौजूदगी में शादी की बुकिंग करना काफी मुश्किल है। हाल और खाने की अलग-अलग व्यवस्था हो तभी होटल का खर्च निकल सकता है। लोग पूछताछ कर रहे हैं। वहीं तारामंडल क्षेत्र में होटल संचालिक करने वाले अम्बरीश का कहना है कि कुछ घरों में शादियां होगी। अब ऐसे लोग होटलों में पूछताछ कर रहे हैं। कोई हाल के साथ 25 लोगों के फी भोजन की मांग कर रहा है तो कोई 50 हजार में पूरी व्यवस्था मांग रहा है।

ऑक्सीजन के लिए देसी उपाय पेड़ों के नीचे समय बिता रहे लोग

आगरा। कोरोना संक्रमण से दो-दो हाथ करने की आज सबने ठानी है। शहरों में आधुनिक सुविधाएं हैं तो गांव वालों ने अपने देसी उपाय अपनाए हैं। आगरा जिले के ब्लॉक बरौली अहीर की ग्राम पंचायत नौबरी के लोग गांव में लगे पीपल के वृक्षों की शरण में हैं। नियमित तौर पर ग्रामीण इन वृक्षों ने नीचे बैठकर अपना ऑक्सीजन लेवल बढ़ा रहे हैं, तो शुद्ध वातावरण में भरपूर सांसें ले रहे हैं। इसके अलावा ग्राम प्रधान ने गांव को सेनेटाइज कराने के साथ ही एक अस्थायी अस्पताल बनवाया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांव में समय-समय पर जांच कर रहे हैं। ब्लॉक बरौली अहीर की ग्राम पंचायत नौबरी की ग्राम प्रधान स्नेह लता यादव ने बताया है कि उन्होंने गांव में कई बार सेनेटाइज कराया है। कहा कि गंदगी से अनेक प्रकार की बीमारियां पनपती हैं, जिसके चलते वह अपने गांव को पूरी तरह स्वच्छ और साफ रखने में विश्वास रखती हैं। गांव में उनके द्वारा सफाई अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम से लगातार संपर्क है। यदि गांव में किसी को स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी होती है तो तत्काल टीम को बुलाकर उसका इलाज कराया जाता है। प्रधान पति महीपाल यादव ने कोरोना से बचाव के लिए लोकेंद्र सिंह, धर्मपाल सिंह, नोद पंडित, बाबू, सुरेंद्र अजय, मोनू, राजू और संजू जैसे युवाओं की टीम बना रखी है। गांव में किसी को मदद के लिए यह टीम तैयार रहती है। ग्राम प्रधान ने बताया कि शहरों में ऑक्सीजन की किल्लत है। इसे देखते हुए गांव के बुजुर्गों ने पर्याप्त ऑक्सीजन और शुद्ध हवा लेने के लिए पीपल के वृक्षों के नीचे बैठने के लिए गांव वालों को प्रेरित किया। लोगों ने उनकी बातों को मानकर इसे अपनी वर्तमान जीवन में शामिल कर लिया है।

पंचायत घर में बनाया अस्थायी अस्पताल-ग्राम प्रधान ने बताया कि गांव के पंचायत घर में एक अस्थायी अस्पताल बनाया है। किसी भी गांव वाले की तबीयत खराब होने पर उसे यहां लाया जाता है। गंभीर मरीजों के मिलने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरौली अहीर की टीम को सूचना करते हैं। टीम तुरंत गांव पहुंचती है। जांच करती है। सामान्य बुखार की स्थिति में पंचायत घर में उसका इलाज किया जाता है। प्रधान पति महीपाल यादव ने बताया है कि उनके गांव में पीपल के काफी वृक्ष हैं। बुजुर्गों और स्वास्थ्य विभाग के लोगों के अनुसार लोगों ने इन वृक्षों के नीचे बैठना शुरू कर दिया है।

वाराणसी में बरसात के बाद हादसों का दौर, मकान गिरने से बच्चे की मौत, चार घायल

वाराणसी। वाराणसी में बीते दो दिनों से रह-रहकर हो रही बरसात की वजह से अब घरों के गिरने का सिलसिला शुरू हो गया है। कैंट थाना क्षेत्र के फुलवरिया में लगातार हो रही बारिश से एक पुराना मकान गिरने से आठ साल के बच्चे राज की मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने बताया कि क्षतिग्रस्?त मकान फुलवरिया फ्लाईओवर परियोजना के दायरे में था, मालिक को मुआवजा राशि मिल चुकी है। एक महीने पूर्व मकान खाली करने की नोटिस दी जा चुकी है। मकान के पिछले हिस्से में फ्लाईओवर की पाइलिंग भी हुई थी। दूसरी ओर बरसात के दौरान वाराणसी के एलबीएस इंटरनेशनल बाबतपुर एयरपोर्ट की बाउंड्री गिर गई। माना जा रहा है कि जलजमाव होने से आपरेशनल क्षेत्र की सुरक्षा हेतु बनी बाउंड्री गिरी है। हाइवे के निर्माण के बाद से ही बरसात के समय यहां जलजमाव हो जाता है। पिछले साल अगस्त माह में भी बाउंड्री गिरी थी। बाउंड्री गिरने के बाद सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वहां पर सीआईएसएफ के जवानों को तैनात किया गया है।

कई घरों और दुकानों में घुसा पानी, गलियों सड़कों पर भी जमा-बारिश के बाद सड़कों और गलियों में जलभराव हो गया। पानी निकासी का साधन नहीं होने के कारण पानी लगा रहा। सुसुवाही मार्ग पर सामनेघाट हरिओम नगर, जानकी नगर, छितुपुर मार्ग पर पानी लगा रहा। तेज बारिश आंधी के कारण डाफी और नरिया उपकेंद्र से बिजली की सप्लाई भी घण्टों बाधित रही। जिले भर में कई घरों और दुकानों में पानी घुस गया है। राजातालाब क्षेत्र के कचनार, रानीबाजार, पंचक्रोशी मार्ग-जक्खिनी रोड व रथयात्रा मार्ग में लोगों के घरों व दुकानों में भी पानी भर गया। लगभग दर्जनों घरों व दुकानों में बारिश का पानी घुस जाने से लोगों को भारी नुकसान हुआ है।

देश में डॉक्टर्स की मौतों को लेकर सरकारों की अनदेखी दुखद- मायावती

लखनऊ। कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान डॉक्टर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं और महामारी की दूसरी लहर के दौरान अब तक सैंकड़ों डॉक्टरों की जान भी जा चुकी है. इसको लेकर बहुजन समाज पार्टी मुखिया और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दुख जताया है. इसके साथ ही मायावती ने आरोप लगाया है कि कोरोना योद्धाओं के रूप में सम्मानित डॉक्टर्स की मौत के संबंध में सरकारें अनदेखी कर रही हैं. बसपा अध्यक्ष ने यूपी पंचायत चुनाव में शिक्षकों की मौत को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए हैं. मायावती ने बुधवार को ट्वीट किया, 'देश भर में कोरोना योद्धाओं के रूप में सम्मानित खासकर डाक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों की सेवाकाल के दौरान हो रही बीमारी व मृत्यु आदि के सम्बंध में सरकारों की घोर अनदेखी व उपेक्षा की खबरें अति-दुखद. उनकी सुरक्षा आदि के बारे में सरकारों को पूरी तरह से गंभीर होने की सख्त जरूरत.' उन्होंने दूसरे ट्वीट में लिखा, 'इसी प्रकार, यूपी में पंचायत चुनाव की ड्यूटी निभाने वाले शिक्षकों व अन्य सरकारी कर्मचारियों की कोरोना संक्रमण से मौत की शिकायतें आम हो रही हैं, लेकिन इनकी सही जांच न होने के कारण इन्हें उचित सरकारी मदद भी नहीं मिल पा रही है, जो घोर अनुचित. सरकार इस पर तुरन्त ध्यान दे.'दरअसल, महामारी की दूसरी लहर के दौरान 269 डॉक्टरों की मौत हो चुकी है. इनमें पद्मश्री से सम्मानित और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष केके अग्रवाल भी शामिल हैं. आईएमए के अनुसार, कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान कुल 269 डॉक्टरों की जान चली गई है. इन डॉक्टरों में ज्यादातर की उम्र 30 से 55 साल के बीच थी. आईएमए के आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में संक्रमण से मरने वाले डॉक्टरों की संख्या सबसे ज्यादा दर्ज की गई. बिहार में अब तक कुल 78 डॉक्टरों की मौत हो चुकी है.

सीएम योगी का फैसला

कोरोना से अनाथ हुए बच्चों की जिम्मेदारी उठाएगी राज्य सरकार

देश में कोरोना की दूसरी लहर ने कहर बरपा रखा है. उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन की वजह से कोरोना के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है. इस बीच यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बड़ा फैसला किया है.

लखनऊ। देश में कोरोना की दूसरी लहर ने कहर बरपा रखा है. उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन की वजह से कोरोना के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है. इस बीच यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बड़ा फैसला किया है. सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बीच अनाथ अथवा निराश्रित हुए बच्चे राज्य की संपत्ति हैं. कोरोना की वजह से जिन बच्चों के माता-पिता का देहांत हो गया है, उनके भरण-पोषण सहित सभी तरह की जिम्मेदारी राज्य सरकार की ओर से मुहैया कराई जाएगी. इस संबंध में मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग तत्काल विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं. उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने लॉकडाउन को लेकर अब नए निर्देश जारी किए हैं, जिसमें कोविड महामारी के मद्देनजर अधिकतम 25 लोगों को शादियों और अन्य समारोहों में शामिल होने की अनुमति दी गई है. जिला अधिकारियों को लिखे पत्र में, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने कहा कि शादी और अन्य कार्यों के लिए एक समय में अधिकतम 25 आमंत्रितों को खुले और इंडोर स्थानों में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी. इससे पहले, अधिकतम 50 लोगों या मैरिज हॉल की क्षमता के 50 प्रतिशत लोगों को समारोह में भाग लेने की अनुमति थी. खुले स्थानों में अधिकतम 100 व्यक्तियों को अनुमति दी गई थी. अवस्थी ने कहा कि आमंत्रितों को मास्क और सैनिटाइजर के उपयोग के साथ कोविड-उपयुक्तप्रोटोकॉल का पालन करना होगा. आदेश में कहा गया है कि बैठने की व्यवस्था करते समय सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन करना होगा, साथ ही जिस स्थान पर समारोह आयोजित किया जा रहा है वहां शौचालयों की साफ-सफाई की उचित व्यवस्था करनी होगी. आदेश में कहा गया है कि इन शर्तों का पालन करने की जिम्मेदारी आयोजकों की होगी. इस बीच, अकेले राज्य की राजधानी में चल रहे कोरोना कर्फ्यू के दौरान 2,700 से अधिक शादियों को स्थगित या रद्द कर दिया गया है. एक वेडिंग हॉल मालिक के मुताबिक, बड़ी संख्या में बुकिंग रद्द कर दी गई है, जिससे कारोबारियों को बड़ा झटका लगा है.

एक मशहूर व्यवसायी, जिसने 29 मई को अपने बेटे की शादी को अनिश्चित काल के लिए स्थगित% कर दिया है, ने कहा, लोग शादी के कार्यक्रमों को रद्द कर रहे हैं क्योंकि ऐसे समारोहों में कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन संभव नहीं है. अगर मेहमानों की संख्या 50 से ज्यादा है, तो कोई अतिरिक्त मेहमानों को कार्यक्रम स्थल छोड़ने के लिए कैसे कह सकता है? यदि कोई उल्लंघन होता है तो स्थानीय पुलिस दुर्व्यवहार करती है. इसके अलावा, मेहमानों के आने-जाने के लिए कर्फ्यू कठिन है. व्यवसायी ने कहा कि उन्होंने अभी तक शादी की नई तारीख तय नहीं की है. उन्होंने कहा, सितंबर में तीसरी लहर की बात चल रही है, जो फिर से मुश्किल खड़ी कर देगी. अगर ऐसा होता है तो हम देश के बाहर डेस्टिनेशन वेडिंग का विकल्प चुन सकते हैं.

आखिरकार एशिया कप रद्द, पिछले साल भी कोरोना वायरस ने बिगाड़ा था मजा

कोलंबो ■ एजेंसी

कोरोना वायरस के कारण इस साल श्रीलंका में होने वाला एशिया कप रद्द कर दिया दिया। यह दूसरा मौका है, जब इस टूर्नामेंट के आयोजन पर पानी फिरा हो। पहले यह प्रतियोगिता पिछले साल यानी साल 2020 में पाकिस्तान में होने वाली थी, लेकिन तब कोरोना महामारी के चलते ही इसे एक साल के लिए टाल दिया गया था। पाकिस्तान ने श्रीलंका से मेजबानी अधिकार की अदला-बदली की थी इसलिए जून 2021 में एशिया कप श्रीलंका में होता जबकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड 2022 में टूर्नामेंट करवाएगा। यानी हर दो साल में होने वाला यह टूर्नामेंट लगातार दो साल खेला जाता, लेकिन अब साल 2020 और 2021 में प्रतियोगिता नहीं होगी।

श्रीलंका में बढ़े कोरोना वायरस के मामले: श्रीलंका क्रिकेट के सीईओ एश्ले डी सिल्वा ने कहा कि एशियाई क्रिकेट परिषद जल्द ही इसकी औपचारिक घोषणा करेगी। हाल के दिनों में दक्षिण एशियाई देशों में तेजी से कोरोना वायरस संक्रमण फैलने लगा है। श्रीलंका ने बुधवार को ही 10 दिनों के लिए अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स पर प्रतिबंध की घोषणा की है। हालांकि, श्रीलंका की राष्ट्रीय टीम तीन वनडे मैच की सीरीज खेलने के लिए इस समय बांग्लादेश में है।

भारत-पाकिस्तान के बीच चला आ रहा था विवाद

टूर्नामेंट का यह 15वां संस्करण पहले पाकिस्तान में होना था, लेकिन भारत के इनकार के बाद इसे यूएई में करवाए जाने की बात सामने आ रही थी। बीसीसीआई ने कहा था कि अगर टूर्नामेंट का आयोजन तटस्थ स्थान पर होता है तो उसे पाकिस्तान द्वारा एशिया कप की मेजबानी से कोई समस्या नहीं है। बाद में इसकी मेजबानी श्रीलंका को दे दी गई थी। आखिरी बार साल 2018 में भारत ने ही बांग्लादेश को हराकर एशिया कप जीता था।

प्रशिक्षण के लिए नहीं मिल पा रहा कोई जोड़ीदार पहलवान

पहलवानों के मिशन टोक्यो पर भारी पड़ रहा है कोरोना

गुरुग्राम ■ एजेंसी

भारत को बुरी तरह से अपने चपेट में लेने वाली कोविड 19 महामारी की वजह से टोक्यो ओलंपिक से ठीक पहले भारतीय पहलवानों की तैयारी बुरी तरह से बाधित हो रही है। जैसे-जैसे टोक्यो ओलंपिक नजदीक आ रहा है, पहलवानों को उतनी ही अधिक तैयारी की जरूरत है। उनकी तैयारी तब तक अधूरी है जब तक उनका जोड़ीदार पहलवान कुश्ती नहीं कर लेता है।

कोरोना के कारण भारत में प्रशिक्षण शिविर लग नहीं रहा है और विदेश कोरोना के कारण जगह देने को तैयार नहीं हैं। ओलंपिक टिकट हासिल कर चुके पहलवान सुबह-शाम एक्सरसाइज कर रहे हैं, लेकिन यह टोक्यो की तैयारी के लिए काफी नहीं है। पहलवान अपने स्तर पर कुछ देशों में प्रशिक्षण के लिए बात कर रहे हैं, ताकि उस देश के पहलवानों के साथ प्रशिक्षण किया जा सके, लेकिन भारत में फैले कोरोना संक्रमण को लेकर विदेशी भी डरे हुए हैं।

भारत के सात पहलवान टोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल करने में कामयाब रहे हैं और इनमें विनेश फोगाट पहले ही विदेश में प्रशिक्षण ले रही हैं, लेकिन अन्य पहलवानों को कोरोना महामारी के कारण मौका नहीं मिल पा रहा है। मालूम हो कि वर्ष 2017 में फ्रांस में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप खेली गई थी। चैंपियनशिप में भारतीय पहलवानों का दल करीब एक माह पहले पहुंच गया था। वहां पर भारतीय पहलवानों को प्रशिक्षण के लिए जोड़ीदार पहलवान नहीं मिल सका था। इसका परिणाम यह रहा था कि भारत को एक भी पदक नहीं मिला था। भारतीय कुश्ती संघ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा कि हम दो-तीन देशों में कोशिश कर रहे हैं, ताकि उन देशों के पहलवानों के साथ भारतीय पहलवानों का प्रशिक्षण शिविर लग सके। नीदरलैंड्स और अन्य देशों में बात कर रहे हैं। हाल में नीदरलैंड्स में एक रैंकिंग प्रतियोगिता है। हमारी कोशिश है कि वहीं पर प्रशिक्षण शिविर लग जाए।

ओलंपिक रद्द करने की अपील के बीच आईओसी की चिकित्सा मदद की पेशकश

टोक्यो ओलंपिक के आयोजकों को जब जापान के चिकित्सा समुदाय के कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है तब इंटरनेशनल ओलंपिक समिति(आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने बुधवार को पेशकश की कि लगभग नौ सप्ताह बाद शुरू होने वाले खेलों के दौरान अतिरिक्त चिकित्साकर्मियों की मदद उपलब्ध रहेगी। आईओसी और स्थानीय आयोजकों के बीच तीन दिवसीय बैठक के पहले दिन बाक ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि यह मदद विभिन्न राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों की तरफ से मिलेगी तथा ओलंपिक गांव और खेल स्थलों पर उपलब्ध रहेगी।

बाक ने अपने 12 मिनट के संबोधन में जापान के लोगों और टोक्यो आने-वाले खिलाड़ियों को यह आश्वासन दिलाने की कोशिश की कि आईओसी महामारी के बीच सुरक्षित ओलंपिक का आयोजन करेगी। बाक ने कहा, 'कुछ कारणों से हम उन्हें(खिलाड़ियों) अभी हर चीज की जानकारी नहीं दे सकते हैं लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात स्पष्ट है। ओलंपिक गांव सुरक्षित स्थान है तथा ओलंपिक और पैरालंपिक का आयोजन सुरक्षित तरीके से किया जाएगा।' आईओसी अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ओलंपिक गांव में रहने वाले 80 प्रतिशत से अधिक लोगों को टीका लग जाएगा। जापान में रिपोर्टों के अनुसार जापान के ओलंपिक प्रतिनिधिमंडल का जून से टीकाकरण शुरू हो जाएगा।

जापान में अभी तक केवल एक से दो प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण हुआ है और इसकी संभावना बहुत कम है कि आठ अगस्त को ओलंपिक समाप्त होने तक उसके वरिष्ठ नागरिकों का भी पूर्ण टीकाकरण हो पाएगा।

बाक ओलंपिक रद्द करने की सबसे मजबूत अपीलों में से एक का जवाब दे रहे थे। टोक्यो चिकित्सा संघ के 6000 सदस्यों ने पिछले सप्ताह ओलंपिक रद्द करने की अपील की थी।

रूसी तैराक कोलेसनिकोव ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में बनाया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। रूस के तैराक वलीमेट कोलेसनिकोव ने यूरोपीय तैराकी चैंपियनशिप में लगातार दूसरे दिन 50 मीटर बैकस्ट्रोक मे अपने वर्ल्ड रिकॉर्ड मे सुधार किया। 20 साल के कोलेसनिकोव ने 23.80 सेकेंड का समय लेकर मंगलवार को स्वर्ण पदक जीता। यह पिछले रिकार्ड से 0.13 सेकेंड बेहतर है जो उन्होंने एक दिन पहले सेमीफाइनल में बनाया था। तब वह 24 सेकेंड से कम समय मे यह दूरी पूरी करने वाले विश्व के पहले तैराक बने थे। इससे पूर्व उन्होंने तीन साल पहले ग्लास्गो मे पिछली यूरोपीय चैंपियनशिप मे 24.00 सेकेंड का समय निकाला था। 50 मीटर बैकस्ट्रोक ओलंपिक स्पर्धा नही है।

रोजर फेडरर जिनेवा ओपन से बाहर, दो महीने के बाद वापसी रही निराशाजनक

जिनेवा ■ एजेंसी

पूर्व नंबर एक स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर लंबे अंतराल के बाद टेनिस कोर्ट पर वापसी अच्छी नहीं रही। इस दिग्गज खिलाड़ी ने मंगलवार को दो महीने के बाद जिनेवा ओपन से कोर्ट पर वापसी की लेकिन पहले ही मैच में उनको हार का सामना करना पड़ा।

स्पेन के खिलाड़ी पाब्लो एंदुजार ने उनको हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। दो महीने के लंबे अंतराल के बाद वापसी कर रहे फेडरर लय में नजर नहीं आए। उनकी शुरूआत बेहद खराब रही। वह जिनेवा ओपन में अंतिम-16 के मैच में पाब्लो एंदुजार से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। स्पेन के पाब्लो ने फेडरर को पहले सेट में हराया इसके बाद वह वापसी करने में कामयाब रहे लेकिन तीसरा सेट गंवाया और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पाब्लो ने यह मुकाबला 6-4, 4-6, 6-4 से अपने नाम कर अगले दौर में जगह पक्की की। फेडरर का यह लगभग दो साल में क्ले कोर्ट पर पहला मैच था और वह इस मैच में लगभग दो घंटे तक ही टिक पाए। पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद उनका यह सिर्फ दूसरा टूर्नामेंट है। उन्होंने पिछले 15 महीने में अपने दायें घुटने की दो सर्जरी भी कराई हैं। फेडरर ने तीसरे सेट में दो मैच प्वाइंट बचाने भी सफल रहे। इस बीच, फेडरर टूर्नामेंट में दर्शक के रूप में भी नजर आए। वह अपने मैच से पहले स्टेडियम के अंदर 18 वर्षीय डोमिनिक स्टीफन स्ट्राइकर और मारिन सिलिक का मैच देख रहे थे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया टीम में जगह न मिलने पर कैमरन ग्रीन ने दिया बड़ा बयान

सिडनी ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने वेस्ट इंडीज दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की लिमिटेड ओवर टीम में न चुने जाने के बाद बड़ी प्रतिक्रिया दी है। कैमरन ने एक बयान में कहा, 'मुझे पहले यह बताया गया था कि मैं टीम में शामिल हूं, लेकिन बाद में कहा गया कि मैं टीम का हिस्सा नहीं हूं। टीम में बाकी नामों को देखने के बाद यह कह सकते हैं कि मुझे क्यों शामिल नहीं किया गया। पिछले साल बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी टीम में चुने गए हैं, लेकिन दुर्भाग्य से मेरा नाम इसमें नहीं है। यह अच्छी टीम है और वास्तव में वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' इस साल ऑस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज खेलेगी और इसका शेड्यूल भी घोषित कर दिया गया है। कैमरन ग्रीन का लक्ष्य एशेज में खेलना है। कैमरन ने कहा, 'बचपन में एशेज देखते हुए बड़ा हुआ हूं और इसकी कई यादें मेरे साथ जुड़ी हैं। एश्टन एगर ने 2013 में 98 रन बनाए थे, बाद में इसके बारे में काफी चर्चा हुई थी।' उल्लेखनीय है कि पिछले साल कैमरन ग्रीन को भारतीय टीम के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने का मौका मिला था। पिछले साल भारतीय टीम के खिलाफ टेस्ट जीवन की शुरूआत करने वाले कैमरन ग्रीन ने अब तक 4 टेस्ट मैच खेले हैं और इस दौरान उनके बल्ले से 236 रन निकले हैं। इसमें एक अर्धशतकीय पारी उनके बल्ले से निकली है। गेंदबाजी में उन्हें कोई विकेट हासिल नहीं हुआ। इसके अलावा एक वनडे मैच में उन्हें खेलने का मौका मिला है। इसमें उनके नाम 21 रन दर्ज हैं।

सेरेना विलियम्स ने बताया, फेडरर और नडाल में कौन है उनका सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

दोहा, कतर ■ एजेंसी

टेनिस जगत पर एक दशक तक राज करने वाले दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस स्टार स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर आज करियर की ढलान पर हैं। पुरुष टेनिस में सबसे पहले 20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर रिकॉर्ड बनाने वाले इस दिग्गज के फैन की कमी नहीं है। कई युवा फेडरर को अपना आदर्श मानकर आगे बढ़ रहे हैं और यहां तक की दिग्गज महिला खिलाड़ी अमेरिका की सेरेना विलियम्स भी उन्हें फेवरेट मानती हैं। अमेरिकी खिलाड़ी सेरेना विलियम्स पुरुषों में अपना सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर को मानती हैं। हाल ही में टेनिस प्रशंसकों और पंडितों ने यह मुद्दा फिर से उछाल दिया कि पुरुषों में सर्वश्रेष्ठ सिंगल्स खिलाड़ी कौन है। तो इस पर सेरेना ने अपना वोट फेडरर को दिया। बिग थ्री में फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविक शामिल हैं। नडाल ने अपना 13वां फ्रेंच ओपन जीतकर फेडरर के सिंगल्स में सर्वाधिक 20 ग्रैंडस्लैम खिताब की बराबरी कर ली थी और उनके बाद जोकोविक के 18 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं। सेरेना ने कहा कि मुझे लगता है कि मेरा पसंदीदा खिलाड़ी फेडरर हैं। वह महान खिलाड़ी हैं और उनके अंदर एक क्लास है जो युवाओं को प्रभावित करती है। उन्होंने इस खेल को बदल दिया है। उनकी खेल की तकनीक कमाल की है। वह महान हैं। आपके पास उन्हें पसंद नहीं करने कोई बहाना नहीं है। उनका खेल शानदार है इसलिए मैं उन्हें पसंद करती हूं।

वीनस हुई बाहर

मेरिका की महिला दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स की बड़ी बहन वीनस मिलिया रोमागना ओपन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वह चोट के कारण सत्र में काफी समय से नहीं खेली थीं और उन्होंने इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिये प्रवेश दिया गया था।

मुंबई में क्वारंटाइन के लिए पहुंचे आर अश्विन-मयंक अग्रवाल और मिताली राज समेत कई खिलाड़ी

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) 2021 स्थगित होने के बाद अब भारतीय खिलाड़ियों का अगला लक्ष्य वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप और फिर इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज है। लगभग तीन महीने से ज्यादा लंबे इस दौरे के लिए टीम इंडिया 2 जून को लंदन के लिए उड़ान भरेगी। इंग्लैंड रवाना होने से पहले पूरी टीम मुंबई में इकट्ठी हुई, जहां उसे दो हफ्ते के कड़े क्वारंटाइन पीरियड से गुजरना होगा। इस दौरान मयंक अग्रवाल, रविचंद्रन अश्विन, बॉलिंग कोच भरत अरुण बुधवार को चेन्नई से चार्टर विमान से मुंबई पहुंचे जबकि मोहम्मद सिराज, पुरुष टीम के फील्डिंग कोच आर श्रीधर, महिला टेस्ट और वनडे कप्तान मिताली राज हैदराबाद से विमान में सवार होकर मुंबई पहुंचे। इसकी तस्वीरें बीसीसीआई ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट से शेयर की हैं। इन खिलाड़ियों के साथ मुंबई, पुणे और इसके आस पास रहने वाले खिलाड़ी 24 मई को वायो-बबल से जुड़ेंगे। इसमें कप्तान विराट कोहली के अलावा टेस्ट उपकप्तान अजिंक्य रहाणे, लिमिटेड ओवर क्रिकेट में टीम के उपकप्तान रोहित शर्मा, हेड कोच रवि शास्त्री और महिला टीम की खिलाड़ी जेमिमाह रोड्रिग्ज शामिल हैं। एंडिसाइटिस के ऑपरेशन से उबर रहे लोकेश राहुल भी मुंबई में हैं और उनके 24 मई को वायो-बबल में शामिल होने की उम्मीद है। बीसीसीआई ने पुरुष और महिला टीम के लिए दिल्ली, हैदराबाद और चेन्नई में तीन चार्टर्ड विमान की व्यवस्था की। ऐसे खिलाड़ी या सहयोगी सदस्य इन तीनों शहरों में नहीं हैं, उन्हें निजी कार से अपनी-अपनी उड़ानों के लिए डेस्टिनेशन तक पहुंचना था। कुछ खिलाड़ियों को कोविड-19 की नेगेटिव जांच रिपोर्ट के साथ बिजनेस विमान से आने की भी अनुमति दी गई।

'गांधीगिरी' पर उतरा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, गड़े-मुर्दे उखाड़ने वाले बेनक्रॉफ्ट को कप्तान ने क्या कहा?

सिडनी। 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केपटाउन टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेनक्रॉफ्ट कैमरे में गेंद से छेड़खानी करते हुए पकड़े गए थे। इसमें तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर भी शामिल थे। बाद में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बेनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का जबकि वॉर्नर और स्मिथ पर 12-12 महीने का प्रतिबंध लगा दिया था। अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने बुधवार को कहा कि गैटर अब बद हो चुका है और वे आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि बेनक्रॉफ्ट अगर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो भविष्य में उनके लिए टीम के दरवाजे खुले हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पेन ने कहा कि उनके गेंदबाजों ने बेनक्रॉफ्ट के साथ गलतफहमी दूर कर ली है जिन्होंने पिछले दिनों एक इंटरव्यू में कहा था कि टीम के सभी गेंदबाजों को बॉल टैंपरिंग की पहले से ही जानकारी थी। पेन ने सिडनी मार्निंग हेराल्ड से कहा, 'बार-बार यह मसला उठने से दे आजिज आ चुके है, लेकिन उस टेस्ट का हिस्सा रहे सभी खिलाड़ियों को इससे गुजरना पड़ रहा है। कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन उस श्रृंखला में ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल थे, उन्होंने एक संयुक्त बयान में कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी, उन्होंने अफवाहें फैलाने पर भी रोक लगाने की मांग की।

बार्सिलोना छोड़ने को मेसी तैयार, इस क्लब के साथ हो सकता है तीन अरब रुपये में करार

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल में शुमार अर्जेंटीना के लियोन मेसी अब बार्सिलोना को अलविदा कह सकते है। स्पेनिश लीग ला लीगा के क्लब बार्सिलोना का इस सत्र में खराब प्रदर्शन रहा है। यह क्लब खिताबी दौड़ से बाहर भी हो गया है, लेकिन अब सबकी नजरें बार्सिलोना के सुपरस्टार स्ट्राइकर लियोन मेसी पर टिकी हैं। जिनका करार क्लब के साथ इस सत्र में खत्म हो रहा है। अभी तक यह आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं हुई है कि मेसी बार्सिलोना के साथ अपने करार को आगे बढ़ाएंगे या फिर किसी नए क्लब के साथ करार कर लेंगे। हालांकि, मेसी के साथ करार करना किसी क्लब के लिए आसान नहीं है, लेकिन इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी, मैनचेस्टर युनाइटेड और पेरिस सेंट जर्मेन उन पर अपनी रुचि शुरू से ही दिखा रहे हैं। इस बीच, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मैनेजर पेप गॉर्डियोला को टीम मैनचेस्टर सिटी अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी के साथ करार करने में सबसे आगे है और यह क्लब मेसी के साथ एक साल के लिए करार करना चाहता है। सिटी मेसी को एक साल के लिए 25 मिलियन पाउंड देने के लिए तैयार है। यदि यह करार हो जाता है तो मेसी प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे अधिक भुगतान पाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि मेसी ने गॉर्डियोला से बात भी की थी और वह उनके साथ जुड़ना चाहते हैं। वहीं, बार्सिलोना के मैनेजर रोनाल्ड कोमैन ने अभी भी दावा किया है कि मेसी क्लब को छोड़कर नहीं जाएंगे और उनके बिना खेलना मुमकिन नहीं है। उन्होंने कहा कि अंतिम फैसला मेसी को करना है, लेकिन मुझे और टीम को यही उम्मीद है कि वह क्लब के साथ जुड़े रहेंगे।

फैलती जा रही बॉल टैंपरिंग विवाद की आग, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आनन-फानन में लिया यह फैसला

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नैतिक इकाई ने कैमरन बेनक्रॉफ्ट से संपर्क किया है जिससे कि यह पता चल सके कि इस क्रिकेटर के पास 2018 मे विश्व क्रिकेट को झकझोरने वाले गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के संदर्भ में कोई नई सूचना है या नही। बेनक्रॉफ्ट ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में यह कहकर नया तूफान ला दिया है कि उस घटना के बारे में और अधिक गेंदबाजो को जानकारी थी। इस घटना के बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और उप कप्तान डेविड वार्नर पर एक-एक साल का प्रतिबंध लगाया गया था। बेनक्रॉफ्ट के पास रेगमाल मिला था और केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण मे भूमिका के लिए उन्हें नौ महीने के लिए निलंबित किया गया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीमो के प्रमुख बेन ओलिवर ने सोमवार को कहा कि रेबेका मरे की अगुआई वाली नैतिक इकाई ने बेनक्राफ्ट से संपर्क किया है कि क्या वह अपने पूर्व के बयान में कुछ और जोड़ना चाहते है। ओलिवर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने हर समय यही रुख अपनाया कि अगर किसी के पास उस घटना के संदर्भ में कोई नई सूचना है तो हम लोगो को आगे आने और नैतिक इकाई के साथ इस पर बात करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। हमारी नैतिक इकाई ने कैमरन से दोबारा बात करते हुए उन्हें आमंत्रित किया है कि अगर उसके पास कोई नई सूचना है तो बताए।

गिरावट जुलाई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी का भाव 73,324 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया

फिर गिरा सोने का भाव, चांदी की कीमत में उछाल

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

सराफा बाजार में आज फिर वायदा बाजार में सोने के दाम में गिरावट देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर जून, 2021 में डिलिवरी वाले सोने की कीमत 97 रुपए यानी 0.20 फीसद की गिरावट के साथ 48,377 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रहा था। वहीं बीते सत्र की बात की जाए तो जून में कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 48,474 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। अगस्त कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 98 रुपए यानी 0.20 फीसद की टूट के साथ 48,871 रुपए प्रति 10 ग्राम चल रहा था। साथ ही सोमवार को अगस्त में डिलिवरी वाले सोने का भाव 48,969 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था।

आज चांदी का भाव

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर जुलाई, 2021 में डिलिवरी वाली चांदी का भाव 526 रुपए यानी 0.72 फीसद की तेजी के साथ 73,850 रुपए प्रति किलोग्राम पर चल रही थी। इससे जुलाई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी

का भाव 73,324 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। सितंबर, 2021 में डिलिवरी वाली चांदी का भाव 499 रुपये यानी 0.67 फीसद की बढ़त के साथ 74,870 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेंड कर रहा था। सोमवार को सितंबर, 2021 में डिलिवरी वाली चांदी की कीमत 74,371 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी।

ग्लोबल मार्केट में सोने का भाव

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक कमेक्स पर जून, 2021 में डिलिवरी वाला सोने का भाव दो डॉलर यानी 1.11 फीसद की तेजी के साथ 1,869.60 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रहा था। स्पॉट मार्केट में सोने का भाव 3.64 डॉलर यानी 0.19 फीसद की तेजी के साथ 1,870.54 डॉलर प्रति औंस पर चल रहा था। जुलाई, 2021 में डिलिवरी वाली चांदी की कीमत 0.42 डॉलर यानी 1.49 फीसद की तेजी के साथ 28.70 डॉलर प्रति औंस पर चल रही थी। इसी तरह स्पॉट मार्केट में चांदी का भाव 0.34 डॉलर यानी 1.19 फीसद के उछाल के साथ 28.51 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रही थी।

एक नजर...

जैन मिलन ग्वालियर ने भगवान आदिनाथ निःशुल्क होम आइसोलेशन तैयार कर शुरू किया

जैन समाज का कोई भी साधर्मी बंधु व उनके परिजनों (मरीजों) को सुविधा मिलेगी

ग्वालियर। वर्तमान समय में वैश्विक महामारी की कठिन समय में कोरोना से ग्रसित मरीजो को ठीक होने के उपरांत आइसोलेशन की आवश्यकता पड़ रही है! जैन समाज की आग्रणी संस्था जैन मिलन ग्वालियर एंव दिगंबर जैन बीसपंथ चंपाबाग मंदिर समिति का विशेष सहयोग से परमपूज्य राष्ट्रसंत मुनिश्री 108 विहर्ष सागर जी महाराज व मुनिश्री विजयेश सागर महाराज की पावन प्रेरणा से आज गुरूवार को सकल जैन समाज ग्वालियर हेतु भगवान आदिनाथ साधर्मी आइसोलेशन केंद्र नई सड़क स्थित चम्पाबाग बगीची में तैयार कर सुविधा शुरू की गई। जैन मिलन के अध्यक्ष योगेश बोहरा एवं विनय कासलीवाल ने बताया कि मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज के सानिध्य में णमोकार मंत्र उच्चरण कर सुविधा शुरू की गई। भगवान आदिनाथ साधर्मी आइसोलेशन केंद्र में चार कमरो में होम आइसोलेशन केंद्र बनाऐ गऐ हैं। यह सुविधा जैन समाज का कोई भी साधर्मी बंधु व उनके परिजनों (मरीजों) को आइसोलेट करने की आवश्यकता होने पर निःशुल्क होम आइसोलेशन इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। इस मौके जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बालचंद्र जैन, क्षेत्रीय संयोजक मयंक पाड्या, विनय कासलीवाल, अध्यक्ष योगेश बोहरा, सचिव आशीष जैन कटपीस, संजीव अजमेरा, पंकज छाबड़, पकंज वाकलीवाल, एवं प्रवक्ता सचिन जैन मौजूद थे।

ये उपलब्ध सुविधाएं मरीजों के लिए होम आइसोलेशन केंद्र में रहेगी..... जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया की मरीजो के लिए होम आइसोलेशन केंद्र में एयर कूल्ड कमरे (लेट-बाथ अटेच), 'प्रत्येक कमरे में ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर, वेपोराइजर, गर्म पानी के लिए इलेक्ट्रिक केटली उपलब्ध। 'आइसोलेट मरीज के लिए चाय, नाश्ता एवं भोजन की व्यवस्था। 'आइसोलेट मरीजों जिनको ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ रही हो उनके लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीने उपलब्ध संस्था द्वार रहेगी।

आवश्यकता पड़ने पर संस्था पदाधिकारियों के निम्न नंबरों पर संपर्क करें जैन मिलन ग्वालियर संस्था के विनय कासलीवाल 9826210367, अध्यक्ष योगेश बोहरा 9300430465, सचिव आशीष जैन (कटपीस) 9301101384, पंकज छाबड़ा 9425341805, संजीव अजमेरा 9826586286, पंकज बाकलीवाल 9406976464, से सम्पर्क कर सकते है।

डॉ. शम्भू पवार, निक्की शर्मा, विनय एवं अंशु पाल को श्रीलंका से मिली डॉक्टरेट की उपाधि

नई दिल्ली। (डॉ शम्भू पंवार) श्रीलंका की प्रसिद्ध संस्था नमल जीवानन्द फाउंडेशन ह्छुख)ने भारत की नामचीन5 शख्सियतों को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से अलंकृत किया है। एनजेएफ के प्रमुख डॉ. नमल जीवानन्द एवं निदेशक डॉ उवैस ने धराधाम इंटरनेशनल के प्रमुख सौहार्द शिरोमणि एवम निदेशक डॉ सौरभ पाण्डेय के प्रस्ताव पर अंतरराष्ट्रीय शांति दूत,वरिष्ठ पत्रकार एवं नेशनल चाइल्ड एवं वूमेन डेवलपमेंट काउंसिल (मीडिया)के राष्ट्रीय सचिव डॉ. शंभू पवार चिड़ावा (दिल्ली), साहित्य शिरोमणि लेखिका डॉ.निक्की शर्मा भागलपुर (मुंबई), अंतरराष्ट्रीय कवियत्री, लेखिका एवं एंकर अंशु पाल अमृता (नई दिल्ली), एवं कोरोना जांच में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले विनय श्रीवास्तव (गोरखपुर), कटरा (जम्मू कश्मीर) के प्रसिद्ध योगाचार्य दयाल राम को सामाजिक सरोकारों के माध्यम से समाज के निर्माण और सेवा में निरंतर समर्पण व निष्ठा से उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान कर संम्मानित किया । धराधाम इंटरनेशनल के प्रमुख सौहार्द शिरोमणि डॉ सौरभ पाण्डेय ने सभी संम्मानित विभूतियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डॉ शम्भू पंवार, ब्यूरो चीफ टू मीडिया,दिल्ली चिड़ावा।

उपार्जन केन्द्रों पर चना की खरीदी 05 जून तक होगी

ग्वालियर। राज्य शासन द्वारा कृषक हित में कोरोना संक्रमण की परिस्थितियों के देखते हुए सभी किसान अपनी चने की उपज का उपार्जन केन्द्रों पर समर्थन मूल्य पर विक्रय कर सकें इस हेतु रबी विपणन वर्ष 2021-22 में चना फसल के प्राईस सपोर्ट स्कीरम अंतर्गत उपार्जन की अंतिम तिथि 5 जून 2021 नियत की गयी है। जिले के समस्त किसान भाईयों से अनुरोध है कि जिन किसानों द्वारा अपनी चना की उपज अभी तक समर्थन मूल्य पर विक्रय नहीं कर पाई है। ऐसे सभी पंजीकृत किसान अपनी उपज निर्धारित खरीदी केन्द्र पर 05 जून 2021 तक विक्रय कर सकते है।

क्राइसेस मैनेजमेंट समितियों के सदस्य संक्रमण की रोकथाम के लिए आगे बढ़कर प्रयास करें

सांसद श्री शेजवलकर ने गूगल मीट के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना संक्रमण की, रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की

ग्वालियर। कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिये प्रदेश सरकार द्वारा त्रि-स्तरीय क्राइसेस मैनेजमेंट कमेटी का गठन किया गया है। जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय और पंचायत स्तरीय क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सभी सदस्य कोरोना संक्रमण की रोकथाम और नागरिकों में जन जागृति लाने हेतु विशेष प्रयास करें। हम सबको स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के तहत अपने जिले, अपने ब्लॉक और अपनी ग्राम पंचायत को सबसे पहले कोरोना मुक्त बनाने का कार्य पूरी क्षमता के साथ करने की आवश्यकता है।

क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने गुरूवार को जिला पंचायत कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुरार, बरई, डबरा, भितरवार विकासखण्ड एवं ग्राम संकट प्रबंधन समूह के सदस्यों से चर्चा की। इस समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री किशोर कान्याल, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजय दुबे, जिले की सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। क्षेत्रीय सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि कोविड-19 के इस संकट के समय शासन-प्रशासन के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों को संक्रमण की रोकथाम के लिये आगे आने की आवश्यकता है। जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता के साथ क्राइसेस मैनेजमेंट कमेटियों का गठन कर कार्य किया जा रहा है। समिति के सभी सदस्य इस कार्य में पूरी रूचि लेकर संक्रमण की रोकथाम और जन जागृति के कार्य को अंजाम दें ताकि कोरोना जैसी बीमारी से हमें मुक्ति मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि हमें ग्रामीणों को यह भी बताना चाहिए कि कोरोना से डरने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन उससे बचने के लिये सावधानी नितांत आवश्यक है। कोरोना से बचने का एक मात्र उपाय सावधानी ही है। सोशल डिस्टेंसिंग, घर से बाहर निकलते समय मास्क का उपयोग और निरंतर अपने हाथों को सेनेटाइज करने या साबुन से धोने की आदत हमें अपने जीवन में डालना होगी।

सांसद श्री शेजवलकर ने समीक्षा के दौरान यह भी कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जो भी पात्र हितग्राही हैं उनके आयुष्मान कार्ड अवश्य बनाए जाएं, आयुष्मान कार्डधारियों को सरकार द्वारा निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में कोई भी पात्र हितग्राही आयुष्मान कार्ड से वंचित न रहे, इसके लिये भी क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्य आगे बढ़कर कार्य करें। इसके साथ ही संकट की इस घड़ी में केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा पाँच माह का खाद्यान्न जरूरतमंदों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। सभी जरूरतमंदों को निःशुल्क खाद्यान्न समय पर उपलब्ध हो, इसकी चिंता भी समिति के सदस्यों को करना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र में वितरित किए जा रहे खाद्यान्न की मॉनीटरिंग भी शासन-प्रशासन के साथ समिति के सदस्य करें और सभी पात्र लोगों को खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। क्षेत्रीय सांसद श्री शेजवलकर ने ग्रामीण क्षेत्र में क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यों से अपेक्षा की कि वे ग्रामीणों को समझाएं कि कोई भी व्यक्ति बाहर से अगर गाँव में आता है तो उसे कुछ समय पंचायत के क्वारंटाइन सेंटर में अनिवार्यतः क्वारंटाइन किया जाए। श्री शेजवलकर ने कहा कि शासन द्वारा किल कोरोना-3 अभियान का संचालन भी किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में शतप्रतिशत घरों का सर्वे कर जिन लोगों में कोरोना के लक्षण हैं उनका चिन्हांकन, सेम्पलिंग का कार्य किया जा रहा है। सर्वेक्षण के दौरान जो लोग भी संक्रमित पाए जाते हैं उनका कोविड टेस्ट अनिवार्यतः कराया जाए। ऐसे लोगों को होम क्वारंटाइन अथवा संस्थागत क्वारंटाइन सेंटर में रखा जाए। सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने बैठक में कहा कि देश में 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों का टीकाकरण कार्य भी प्रारंभ हो गया है। हमारे जिले में भी जैसे-जैसे वैक्सीन की उपलब्धता हो रही है वैसे-वैसे वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है। क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करें कि वे सभी लोग अपना टीकाकरण अनिवार्यतः कराएं। उन्होंने पंचायत स्तरीय क्राइसेस मैनेजमेंट समिति की बैठकें नियमित आयोजित करने की बात भी कही। इन बैठकों के माध्यम से जागरूकता और संक्रमण की रोकथाम के लिये आवश्यक प्रबंधनों का निर्णय और क्रियान्वयन भी किया जाए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री किशोर कान्याल ने ग्रामीण क्षेत्र में कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिये किए जा रहे प्रबंधनों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किल कोरोना-3 अभियान के तहत भी सभी जनपद पंचायतों में सर्वेक्षण का कार्य तेजी के साथ किया जा रहा है। टीकाकरण के लिये भी सभी जनपद पंचायतों में केन्द्र निर्धारित कर तेजी के साथ टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है। ब्लॉक स्तरीय एवं ग्राम स्तरीय क्राइसेस मैनेजमेंट समितियों की बैठक भी नियमित हो रही है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कान्याल ने बताया कि कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिये जिले में लगाया गया जनता कर्फ्यू का पालन भी ग्रामीण क्षेत्रों में पूरी सख्ती के साथ किया जा रहा है। जिन गांवों में कोविड के प्रकरण सामने आए हैं उनमें बेरीकेटिंग करने के साथ ही ग्रामीणों का गांव के बाहर जाना प्रतिबंधित किया गया है।

जन-सहयोग से थम रही कोरोना संक्रमण की रफ्तारः मुख्यमंत्री श्री चौहान

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रोकथाम और बचाव में जन-भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित की गयी है। इसी का परिणाम है कि जन-जागरूकता बढ़ी है। लोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने के लिये प्रेरित हुए हैं। लोगों ने न केवल कोरोना से बचाव के उपाय स्वयं अपनाये, बल्कि अन्य लोगों को भी प्रेरित किया। सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, जन-प्रतिनिधियों, समाज सेवियों, चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टॉफ और समुदाय के विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों से मिले सहयोग से कोरोना संक्रमण की रफ्तार को कम कर उसे समाप्त करने की दिशा में तेजी बढ़ा जा सका है। जन-सहभागिता से कोरोना संक्रमण पीड़ितों के समुचित इलाज की व्यवस्था में भी सहयोग प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान का कहना है कि राज्य सरकार, जन-सहयोग से कोरोना संक्रमण और ब्लैक फंगस को पूरी तरह समाप्त करने के लगातार प्रयास कर रही है।

कोविड-19 मैनेजमेंट स्ट्रेटजी-किल-कोरोना अभियान में सामाजिक संगठनों के सहयोग से प्रारंभिक स्तर पर कोरोना संक्रमण से पीड़ित लोगों की पहचान के लिये जागरूकता लायी गयी तथा सक्रिय चिन्हांकन किया गया। प्रदेश में टेस्टिंग कैपेसिटी को बढ़ाया गया। साथ ही टेस्टिंग के परिणाम आने में लगने वाले समय को घटाया गया। डिस्ट्रिक्ट कमाण्ड एवं कंट्रोल सेन्टर के द्वारा होम आइसोलेशन की सतत मॉनिटरिंग की गयी। कोविड केयर सेंटर स्थापित कर संस्थागत आईसोलेशन किया गया। स्वास्थ्य अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण किया गया। अस्पतालों की सुविधाएँ बढ़ायी गयी। बेड, ऑक्सीजन की सुगम आपूर्ति और उपचार में उपयोगी उपकरणों और दवाइयों का इंतजाम युद्ध स्तर पर किया गया। वैक्सीन की उपलब्धता के आधार पर वैक्सीनेशन को बढ़ाया गया है। शीघ्र टीकाकरण के लिये सरकार द्वारा पर्याप्त संख्या में वैक्सीन डोज खरीदी के आदेश भी दिये गये हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोविड-19 की रोकथाम और बचाव में कोरोना-वॉलेंटियर्स का योगदान सराहनीय रहा है। बताया गया कि प्रदेश भर में कोरोना वॉलेंटियर्स की संख्या अब एक लाख 16 हजार 98 से भी अधिक हो गयी है, जिसमें से 50 हजार से अधिक वॉलेंटियर्स अधिक सक्रिय रहे हैं। करीब 7899 वॉलेंटियर्स द्वारा वैक्सीनेशन सेंटर पर सहयोग किया जा रहा है। इसी तरह 12 हजार 298 वैक्सीनेशन प्रेरक तथा 7 हजार 242 वैक्सीनेशन हेल्पर द्वारा 18 वर्ष की उम्र से अधिक के लोगों को वैक्सीनेशन के लिये प्रेरित किया गया है। इसके अतिरिक्त 7 हजार 496 कोरोना वॉलेंटियर्स द्वारा चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी देने और 3096 वॉलेंटियर्स द्वारा चिकित्सा के लिये परिवहन में सहयोग दिया गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने डीएपी खाद पर सब्सिडी बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का माना आभार

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा डीएपी खाद पर किसानों को राहत देने के लिए मैं किसान हितैषी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करता हूँ। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा किसानों के हित में एतिहासिक फैसला करते हुए डीएपी खाद की कीमतों में हुई 140 प्रतिशत की वृद्धि की स्थिति में किसानों को राहत दी गई है। कीमतें बढ़ने के कारण यदि मूल कीमत पर डीएपी दिया जाता तो किसानों को प्रति बोरी 2400 रुपये पड़ती। केन्द्र सरकार द्वारा पूर्व से ही 500 रुपये प्रति बोरी की दर से सब्सिडी दी जा रही थी। बढ़ी हुई कीमतों के कारण यह सब्सिडी बढ़ाकर 1200 रुपये प्रति बोरी कर दी गई है। किसान के लिए प्रति बोरी 700 रुपये सब्सिडी बढ़ाई गई है। इसका परिणाम यह होगा की 2400 रुपये की डीएपी की बोरी अब किसान को 1200 रुपये में मिलेगी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में डीएपी की बढ़ती हुई कीमतों के कारण यह परिणाम हो रहा था कि किसान को खाद की ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती, जिससे फसल की लागत बढ़ती। प्रधानमंत्री श्री मोदी का संकल्प है किसानों की आय दोगुनी करना और लागत घटाना। लागत घटाने के लिए प्रधानमंत्री जी ने जो सब्सिडी बढ़ाई है इस पर लगभग 14 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश के किसानों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी का अभिनंदन करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोपेश्वर कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगम हनुमान मंदिर, गोपेश्वर कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitodey17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478